जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 71 दिनांक: 22-02-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को आज सोमवार दोपहर सीबीआइ कोर्ट ने सजा सुना दी है। चारा घोटाला के सबसे बड़े मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव दोषी ठहराए गए थे। कोर्ट ने आज सजा की घोषणा करने की बात कही थी।

कर्नाटक के शिमोगा में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की चाकुओं से गोदकर हत्या मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्यकर्ता की शवयात्रा के दौरान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और हिंसा भड़क गई...

चारा घोटाला: लालू प्रसाद को 5 साल की सजा, 60 लाख जुर्माना

रांची(ईएमएस)। अरबों रुपये के बहुचर्चित चारा घोटाले के सबसे बड़े मामले आरसी 47ए/96 में सोमवार वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद समेत अन्य अभियुक्तों की सजा के बिन्दु पर सुनवाई हुई। सीबीआई कोर्ट ने लालू प्रसाद को 5 साल सजा और 60 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। अन्य 39 अभियुक्तों को भी 3 से 5 साल की सजा और 2 लाख से 2 करोड़ रुपये जुर्माने की सजा सुनायी गयी।

रांची स्थित सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एसके शशि की अदालत में आज लालू प्रसाद समेत 40 अभियुक्तों के सजा के बिन्दु पर सुनवाई हुई। लालू प्रसाद और जेल में बंद सभी अभियुक्तों के सजा के बिन्दु पर वर्चुअल माध्यम से सुनवाई हुई।

लालू प्रसाद और एक अन्य आरोपी डॉक्टर कृष्ण मोहन प्रसाद अभी रिम्स में भर्ती है, जबकि 36 अभियुक्त बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में है। लालू प्रसाद और डॉ0 कृष्ण मोहन प्रसाद के लिए रिम्स से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था की थी, जबकि शेष सभी अभियुक्तों की पेशी होटवार जेल से हुई।

इससे पहले रांची के डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ अवैध निकासी मामले में अदालत ने 15 फरवरी को लालू प्रसाद समेत 75 आरोपियों को दोषी करार दिया था, इसमें से 40 को छोड़ कर अन्य को पहले ही सजा सुना दी गयी थी, जबकि तीन आरोपी उस दिन अदालत में सशरीर उपस्थित नहीं हो पाये थे।

इन मामलों में लालू प्रसाद को इतनी सजा मिली है-

पहले मामले में 5 साल की सजा

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले से जुड़े चार मामले में सजा हुई है। इसमें पहला मामला चाईबासा कोषागार से अवैध तरीके से 37.7 करोड़ रुपये निकालने का है। इस मामले में लालू यादव समेत 44 आरोपी थे। इस मामले में आरजेडी मुखिया को 5 साल की सजा हुई है। साथ ही इस मामले में 25 लाख रुपये का जुर्माना भी हुआ।

दूसरे मामले में साढ़े तीन साल की सजा

चारा घोटाले से जुड़ा दूसरा मामला देवघर सरकारी कोषागार से 84.53 लाख रुपये की अवैध निकासी का है। इसमें लालू यादव समेत 38 पर केस है। इस मामले में आरजेडी सुप्रीमो को साढ़े तीन साल की सजा और 5 लाख का जुर्माना लगाया गया है

तीसरे मामले में 5 साल की सजा

तीसरा मामला चाईबासा कोषागार से 33.67 करोड़ रुपये की अवैध निकासी का है। जिसमें लालू प्रसाद यादव समेत 56 आरोपी थे। इसमें आरजेडी मुखिया को दोषी करार देते हुए कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई गई। चाईबासा कोषागार मामले में 10 लाख का जुर्माना भी लगाया गया।

चौथे मामले में दो धाराओं में 7-7 की सजा

चौथा मामला दुमका कोषागार से 3.13 करोड़ रुपये की अवैध निकासी का है। इसमें लालू प्रसाद यादव को दोषी करार देते हुए दो अलग-अलग धाराओं में 7-7 साल की सजा सुनाई गई। इसमें 60 लाख जुर्माना भी लगाया गया

पांचवें मामले में दोषी करार

लालू प्रसाद डोरंडा कोषागार से 139.35करोड़ रुपये अवैध निकासी मामले में दोषी करार दिये गये है और 5 साल सजा हुई। लालू प्रसाद को इन मामलों में दोषी चाईबासा कोषागार से 37.7करोड़ की अवैध निकासी, देवघर कोषागार से 84.5लाख की अवैध निकासी, चाईबासा कोषागार से 30करोड़ की अवैध निकासी मामले, दुमका कोषागार से 3.13करोड़ अवैध निकासी मामले, डोरंडा कोषागार से 139.35करोड़ की अवैध निकासी,लालू प्रसाद को इन मामलों में मिली है इतनी सजा,पहले मामले में 5 साल की सजा,दूसरे मामले में 3.5 साल की सजा,तीसरे मामले में 5 साल की सजा,चौथे मामले में दो अलग-अलग धाराओं 7-7 की सजा

पांचवें मामले में 5 साल की सजा

लालू प्रसाद पर इन मामलों में लगा है इतना जुर्माना,चाईबासा कोषागार के पहले मामले में 25 लाख का जुर्माना

देवघर कोषागार मामले में 5 लाख रुपये जुर्माना,चाईबासा कोषागार मामले में 10 लाख रुपये का जुर्माना,दुमका कोषागार मामले में 60 लाख का जुर्माना,डोरंडा कोषागार से जुड़े मामले में 60लाख का जुर्माना

लालू को कब-कब जेल जाना पड़ा

30जुलाई 1997 को पहली बार लालू प्रसाद 135 दिन जेल रहे

28अक्टूबर 1998 को दूसरी बार 73 दिन जेल

5 अप्रैल 2000 तीसरी बार 11 दिन जेल

28 नवंबर 2000:आय से अधिक संपत्ति मामले में एक दिन जेल

3अक्टूबर 2013 चारा घोटाले के मामले में दूसरे मामले दोषी करार दिये जाने र 70 दिन जेल

23दिसंबर 2017 को चारा घोटाले से तीसरे मामले में सजा हुई और

24मार्च 2018 को दुमका कोषागार से जुड़े चौथे मामले में सजा हुई , जिसके बाद करीब तीन साल बाद पिछले वर्ष अप्रैल में जेल से रिहाई हुई।15फरवरी 2022 को डोरंडा कोषागार से जुड़े मामले में दोषी करार दिये जाने के साथ ही न्यायिक हिरासत में भेजे गये और तबीयत खराब होने के कारण अभी रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती

चारा घोटाला मामले में सजा के बाद लालू यादव की प्रतिक्रिया

आधिकारिक ट्वीटर हैंडल के माध्यम से कहा- तानाशाही जुल्मी सत्ता से लड़ा हूं ,लड़ता रहूंगा

रांची(ईएमएस)। अरबों रुपये के बहुचर्चित चारा घोटाले मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने आज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को 139.35 करोड़ के अवैध निकासी से जुड़े मामले में पांच साल कैद की सजा सुनाई है और उन पर 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सजा के बाद लालू यादव के आधिकारिक ट्वीटर पर ट्वीट कर यह कहा गया है कि-तानाशाही जुल्मी सत्ता से लड़ा हूं ,लड़ता रहूंगा । उन्होंने यह भी लिखा कि वो हरा नहीं सकते इसलिए साजिशों से फंसाते है। लालू यादव ने लिखा, अन्याय असमानता से, तानाशाही जुल्मी सत्ता से, लड़ा हूं लड़ता रहूंगा, डाल कर आंखों में आंखें, सच जिसकी ताकत है, साथ है जिसके जनता, उसके हौसले क्या तोड़ेंगी सलाखें। उन्होंने आगे लिखा, मैं उनसे लड़ता हूं जो लोगों को आपस में लड़ाते है, वो हरा नहीं सकते इसलिए साजिशों से फंसाते है। ना डरा ना झुका, सदा लड़ा हूं, लड़ता ही रहूंगा। लड़ाकों का संघर्ष कायरों को ना समझ आया है ना आएगा। कोर्ट द्वारा सजा के ऐलान के बाद लालू यादव ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर इसको लेकर प्रतिक्रिया दी है। लालू यादव ने कविता के अंदाज में बताया है कि वो जेल जाने से नहीं डरते हैं। क्योंकि उनके साथ जनता है।

कर्नाटक में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या मामले में तीन गिरफ्तार, शवयात्रा के दौरान बवाल, धारा-144 लागू और स्कूल-कालेज बंद

शिमोगा । सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील कर्नाटक के शिमोगा में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की चाकुओं से गोदकर हत्या मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बीच कार्यकर्ता की शवयात्रा के दौरान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और हिंसा भड़क गई जिसमें एक महिला सिपाही और फोटो पत्रकार समेत तीन लोगों के घायल होने की खबर है। गंभीर हालात को देखते हुए शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है और एहतियात के तौर पर स्कूल और कालेजों को दो दिन के लिए बंद कर दिया गया है।

मारे गए बजरंग दल कार्यकर्ता की पहचान 28 वर्षीय हर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, समाचार एजेंसी एएनआइ ने तीन लोगों को गिरफ्तार किए जाने और कुछ लोगों को हिरासत में लेने की जानकारी दी है। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक पेशे से टेलर हर्ष शिमोगा में बजरंग दल का प्रखंड समन्वयक था। कुछ दिन पहले उसने एक इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक धर्म विशेष को लेकर पोस्ट लिखा था, जिसके बाद उसके खिलाफ शहर के डोडापेट थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। उसे फोन पर जान से मारने की धमकियां भी मिल रही थीं।

रविवार को रात नौ बजे के करीब भारती कालोनी में रविवर्मा मार्ग पर कार से आए बदमाशों ने उसे दौड़ाया और धारदार हथियार से बुरी तरह मारकर फरार हो गए। हर्ष को तुरंत मेगन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही देर रात को ही लोगों का हुजूम अस्पताल पर उमड़ पड़ा। सोमवार को जब उसकी शवयात्रा निकाली गई तो लोग बेकाबू हो गए। लोगों ने पथराव किया, हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने हर्ष के परिवार से मुलाकात की और दोषियों को सख्त सजा दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि अभी यह जानकारी नहीं है कि इस हत्याकांड के पीछे किस संगठन का हाथ है। पुलिस ने हत्या में शामिल सभी लोगों के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जल्द ही सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक सवाल पर ज्ञानेंद्र ने कहा कि हर्ष उहदू था और उसके खिलाफ कुछ केस दर्ज होने की सूचना है, लेकिन इससे ज्यादा उन्होंने कुछ नहीं कहा।

शिमोगा की उपायुक्त सेल्वामणि ने कहा कि शहर में दो दिन के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुरुगन कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जल्द से जल्द हालात को काबू में कर लिया जाएगा। मुरुगन ने कहा कि पुलिस के आला अधिकारी जगह-जगह जा रहे हैं और हालात के मुताबिक सख्ती बरत रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुरुगन ने कहा कि मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा और संपत्ति के नुकसान में जो कोई भी शामिल होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या पर दुख जताते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

कांग्रेस की राजनीति सेवा और अधिकार देने की है :सोनिया गांधी

लखनऊ (ईएमएस)। उप्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए भाजपा और उसकी सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लॉकडाउन के दौरान भी सेवा की राजनीति की। सेवा और अधिकारों की राजनीति के रास्ते पर चलते हुए ही उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी एक नई राजनीति का विजन लेकर आई है।

कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली में मतदाताओं को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि यह चुनाव आपके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव क्योंकि आपने पांच साल ऐसी सरकार देखी, जिसने आपके बीच अलगाव पैदा करने के अलावा कुछ काम नहीं किया। इन पांच सालों में आपको ना तो फसलों का दाम मिला, ना खाद मिली और ना ही सिंचाई की सुविधा है। अब उनके ऊपर कर्ज का बोझ है और आवारा पशु आपकी फसल को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों के 12 लाख पद खाली पड़े हैं, लेकिन नौकरियां नहीं दी गई है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सरसो के दाम इतने बढ़ गए हैं कि आम लोगों का घर चलाना मुश्किल है। महंगाई ने जीवन दूभर कर दिया है। कोरोना के समय एक तरफ ऑक्सीजन, दवाइयां, अस्पताल में बेड नहीं मिले। लोगों ने प्रियजनों को खोया है, जिनके लिए वही एक सहारा थे। दूसरी तरफ लॉकडाउन में आपके काम-धंधे बंद हो गए। सबने मीलों सफर करने की पीड़ा झेली है, मगर मोदी योगी सरकार ने एक गैर जिम्मेदार सरकार का परिचय देते हुए आप सबकी तकलीफों के बावजूद मुंह मोड़े रखा, आंखें बंद रखीं। उन्होंने कहा कि हम विकास के लिए कई विकास की योजनाएं लेकर आए थे, लेकिन मोदी-योगी सरकार ने उन सभी पर रोक लगा दी। रायबरेली के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। कांग्रेस की राजनीति सेवा की और आपको अधिकार देने की है। हमने मनरेगा जैसा कानून बनाकर रोजगार का अधिकार दिया, जिससे आप अपना जीवन बेहतर बना सकें। लेकिन अफ़सोस की बात है कि ऐसे संकट के समय मनरेगा का बजट बढ़ाने के बजाय कम कर दिया गया।

यह चुनाव उप्र का भाग्य बदलने का चुनाव है : अमित शाह

सीतापुर (ईएमएस)। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में तीन चरण का मतदान हो चुका है। इसमें तो सपा व बसपा के साथ कांग्रेस और अन्य का सूपड़ा साफ है। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने सीतापुर से भाजपा को 2014, 2017 व 2019 में भाजपा को विजय दिलाई। 2022 में जिताकर चौका लगाइये। यह चुनाव प्रदेश के भाग्य बदलने का चुनाव है। उन्होंने कहा प्रदेश के किसानों व युवाओं का चुनाव है। आपका वोट प्रदेश के भविष्य के लिए है। कमल के निशान पर बटन दबाएं। प्रदेश की पहचान बदलने के लिए हम आपसे वोट मांगने आए हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार के शासन से पहले उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पूरे देश में तंज कसे जाते थे। बुआ, भतीजे ने सब बर्बाद कर दिया था। योगी ने सभी गुंडों माफिया को खदेड़ दिया। दो हजार करोड़ से अधिक सरकारी संपत्ति को माफिया के कब्जे से योगी सरकार ने खाली कराया है, उस पर गरीबों के आवास बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा के शासन में उत्तर प्रदेश आतंकवाद और दंगों का सेंटर माना जाता था और माफियाओं का कॉरिडोर माना जाता था। सीतापुर में दबंगों और माफियाओं का राज था। आज यहां कोई बाहुबली नहीं है, सिर्फ बजरंगबली हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ही देश को सुरक्षित कर सकती है। प्रदेश बहुत पिछड़ा था, बिजली नहीं मिलती थी। योगी सरकार 22 से 24 घंटे बिजली दे रही है। यह परिवर्तन भाजपा ही कर सकती है।

लखीमपुर हिंसा में मारे गए किसानों के परिजन शीर्ष कोर्ट पहुंचे, आशीष मिश्रा की जमानत का विरोध

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी के लखीमपुर हिंसा में मारे गए किसानों के परिजनों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मृतक किसानों के परिजनों ने शीर्ष अदालत में लखीमपुर कांड के आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत मिलने का विरोध किया है। आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने जमानत दे दी थी। अदालत के इस फैसले के बाद ही किसानों के परिजनों ने फैसले का विरोध किया था और इस आदेश को चुनौती देने की बात कही थी। बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर में तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों पर भाजपा नेताओं के काफिले की एक कार चढ़ गई थी। इस कांड में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा का नाम सामने आया था। कई दिनों बाद आशीष मिश्रा की गिरफ्तारी हुई थी और फिर उसे जेल भेजा गया था।

बेराजगारी भत्ता नहीं, रोजी-रोटी उपलब्ध करायेंगे: मायावती

प्रयागराज (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन ने सोमवार को यहां जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि दलितों को हमेशा से शोषण हो रहा है, कांग्रेस जब सत्ता में थी तो इन वर्गों के उत्थान उसे याद नहीं आता है। कांग्रेस ने इनके लिए कुछ किया होता तो हमें पार्टी बनाने की जरूरत नहीं होती। अब महिलाओं की याद आई है। सरकार रहते कभी भी महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कुछ नहीं किया। समाजवादी पार्टी को घेरते हुए उन्होंने कहा कि इनकी सरकार में गुंडे माफिया हावी रहे। जमीन पर कब्जे होते रहे, सरकार देखती रही। माफिया को सरकार का शह मिलता रहा। भाजपा पर निषाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार आरएसएस के संकीर्ण एजेण्डे पर चल रही है।

सपा पर हमला बोलते हुए बसपा नेत्री ने कहा कि अखिलेश सरकार में जातिवादी राजनीति देखने को मिली। बसपा सरकार की योजनाओं को बंद कर दिया गया। एससी एसटी बच्चों को विदेश जाकर पढ़ाई करने की सुविधा को रोक दिया। सरकारी भूमि आवंटन में मिलने वाली प्राथकिता को खत्म कर दिया। ऐसे कई विरोधी फैसले लिए। संत रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही किया गया? यह आपका पड़ोसी जिला है। यह सरकार दलितों के हितैषी नहीं है। कई योजनाओं के नाम बदले गए। इसी से इनका समाजवाद सामने आ गया। मौजूदा सरकार ने धरना प्रदर्शन आदि के नाम पर बसपा कार्यकर्ताओं को फंसाया। भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस के संकीर्ण एजेंडे पर सरकार चल रही है। धर्म के नाम पर हमेशा यहां तनावपूर्ण वातावरण बना रहा। इसे आपको समझना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में कर्मचारी आदि मांगों को सुलझाने के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। अब बोजरोजगारों को बेराजगारी भत्ता नहीं दिया जाएगा बल्कि उन्हें रोजी रोटी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए आपको बीएसपी को सत्ता में लाना होगा।

कर्नाटक में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या पर राजनीति, डीके बोले इसका हिजाब विवाद से संबंध नहीं

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के शिमोगा में कुछ अज्ञात लोगों ने दिनदहाड़े बजरंग दल के 23 वर्षीय कार्यकर्ता की चाकू मार कर हत्या कर दी। बजरंग दल के 23 वर्षीय कार्यकर्ता की रविवार रात हत्या के बाद कर्नाटक के शिमोगा जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि हिजाब विवाद की वजह से हत्या को अंजाब दिया गया है।

उधर, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि 23 वर्षीय बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या का हिजाब विवाद से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने मंत्री ईश्वरप्पा को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने हत्या के कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद से जुड़े होने की किसी भी अटकल को भी खारिज कर दिया।

बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के लिए मुस्लिम गुंडों को प्रोत्साहित करने का भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया था।

ईश्वरप्पा के बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा उनके पास सामान्य ज्ञान नहीं है। उन्होंने पहले ही भारतीय ध्वज का उल्लंघन किया है। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए और बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया है।

शिवकुमार ने कहा कि हत्या का हिजाब विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। यह दो समूहों के बीच व्यक्तिगत दुश्मनी का परिणाम है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना को लेकर गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं इस हत्या की निंदा करता हूं। कांग्रेस अहिंसा में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि दोषियों को तुरंत सजा मिलनी चाहिए।

तीन साल बाद पीएम मोदी 24 फरवरी को अमेठी में करेंगे रैली चल रही खास तैयारी

अमेठी (ईएमएस)। तीन 2019 के बाद आगामी 24 फरवरी को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेठी में होंगे। प्रधानमंत्री अमेठी के उसी सम्राट मैदान पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे जहां वह 3 साल पहले आए थे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विधानसभा चुनाव में अमेठी जिले में प्रधानमंत्री की पहली रैली होगी। इस रैली में अमेठी की सभी विधानसभा क्षेत्रों के साथ ही सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्र के लोग भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। एक दिन पहले ही पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष ने जिले का दौरा कर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पार्टी के कई अन्य उच्च पदस्थ लोग भी अमेठी जिले में डेरा डाले हुए हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। सम्राट मैदान में हेलीपैड को दुरुस्त करने के साथ ही सुरक्षा संबंधी अन्य तैयारियां की जा रही हैं। डीएम राकेश कुमार मिश्र व एसपी दिनेश सिंह ने जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। रैली को सफल बनाने के लिए सभी विधानसभा प्रत्याशियों को जिम्मेदारी दी गई है। सांसद स्मृति ईरानी के प्रतिनिधि विजय गुप्ता लगातार अमेठी में ही कैंप कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने इंफाल मे मोदी पर साधा निशाना, बोले- कोविड के लिए पीएम का समाधान था, 'थाली बजाओ'

इंफाल (ईएमएस)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में 28 फरवरी को पहले चरण का मतदान है। पहले चरण के मतदान से पहले प्रचार के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इंफाल पहुंचे। जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि , कोविड के लिए पीएम का समाधान था थाली बजाओ। राहुल गांधी ने इस दौरान बीजेपी से लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर भी जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भाजपा का विजन, विचारधारा, विचार और भाषा है जो अन्य सभी विचारों, भाषाओं और विचारधाराओं से श्रेष्ठ है। जब भाजपा और आरएसएस मणिपुर आते हैं तो वे इस समझ के साथ नहीं आते। उनमें श्रेष्ठता की भावना आती है। मैं श्रेष्ठता की भावना से नहीं विनम्रता के साथ आता हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में खूब वायदे किए थे लेकिन वह अब 2 करोड़ रोज़गार, 15 लाख रुपये देने की बात, किसान की आय दोगुनी करने की बात, नोटबंदी और गलत तरह से जीएसटी लागू करने की बातें क्यों नहीं करते हैं? मणिपुर की जनता यह सवाल उनसे पूछें जब वह यहां आएं। कोविड के दौरान भाजपा की कार्रवाइयों ने छोटे व्यवसायों को चोट पहुंचाई है। भारत की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी गई। सत्ता में आने पर कांग्रेस मणिपुर में एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित करेगी। हम खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

बता दें कि मणिपुर में दो चरणों में मतदान है। 28 फरवरी को पहले चरण और 5 मार्च को दूसरे चरण का मतदान होना है। मतों की गिनती 10 मार्च को होगी। बीजेपी भी चुनाव प्रचार में अपनी ताकत दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सर्बानंद सोनोवाल मंगलवार को राज्य में प्रचार करने वाले हैं। मणिपुर भाजपा प्रमुख ए शारदा देवी ने कहा कि मोदी के पास मणिपुर और पूर्वोत्तर के लिए उचित योजना और कड़ी निगरानी के साथ इसके क्रियान्वयन के लिए एक दृष्टिकोण है।

डिजिटल कनेक्टिविटी ही है जिसने वैश्विक महामारी के इस समय में हमारी शिक्षा व्यवस्था को बचाए रखा: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा और कौशल क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2022 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबिनार को संबोधित किया। इस अवसर पर संबंधित केंद्रीय मंत्री, शिक्षा, कौशल विकास, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के प्रमुख हितधारक उपस्थित थे। यह वेबिनार बजट से पहले और बाद में हितधारकों के साथ चर्चा और संवाद की नई शुरुआत का हिस्सा था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा पीढ़ी के महत्व पर जोर देते हुए संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, ठहमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को एंपावरिंग करने का मतलब है, भारत के भविष्य को एंपावर करना। प्रधानमंत्री ने बजट 2022 में शामिल 5 पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है। इसमें विश्व स्तर के विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन और गिफ्ट सिटी के संस्थानों को फिनटेक से संबंधित संस्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। पांचवां, एनिमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीवी) पर ध्यान केंद्रित करना, जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और जो एक बड़ा वैश्विक बाजार है। उन्होंने कहा, ठइस बजट से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह डिजिटल कनेक्टिविटी ही है जिसने वैश्विक महामारी के इस समय में हमारी शिक्षा व्यवस्था को बचाए रखा। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि कैसे भारत में तेजी से डिजिटल डिवाइड कम हो रहा है। उन्होंने कहा, ठइनोवेशन हमारे यहां इंक्लूजन सुनिश्चित कर रहा है। इससे भी आगे देश अब आज एकता की ओर बढ़ रहा है।ठ उन्होंने कहा कि ई-विद्या हो, वन क्लास वन चैनल हो, डिजिटल लैब्स हों, डिजिटल यूनिवर्सिटी हो, ऐसा एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर युवाओं को बहुत मदद करने वाला है। उन्होंने कहा,''ये भारत के सोशियो-इकोनॉमिक सेटअप में गांव हों, गरीब हों, दलित, पिछड़े, आदिवासी, सभी को शिक्षा के बेहतर समाधान देने का प्रयास है।ठ प्रधानमंत्री ने कहा, ''नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी, भारत की शिक्षा व्यवस्था में अपनी तरह का अनोखा और अभूतपूर्व कदम है। मैं डिजिटल यूनिवर्सिटी में वो ताकत देख रहा हूं कि ये यूनिवर्सिटी हमारे देश में सीटों की जो समस्या होती है, उसे पूरी तरह समाप्त कर सकती है।'' उन्होंने शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी और एआईसीटीई और डिजिटल यूनिवर्सिटी के सभी हितधारकों से परियोजना पर तेजी से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने संस्थान बनाते समय अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

जोधपुर स्थित वायु सेना स्टेशन में पूर्वी पुल-VI का अभ्यास

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और ओमान की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफओ) 21 से 25 फरवरी, 2022 तक जोधपुर स्थित वायु सेना स्टेशन में ईस्टर्न ब्रिज-ऋ नामक एक द्विपक्षीय अभ्यास में हिस्सा लेने वाली हैं। यह इस अभ्यास का छठा संस्करण है। यह दोनों वायु सेनाओं के बीच परिचालन क्षमता और पारस्परिकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा। इस अभ्यास में आईएएफ और आरएएफओ की भागीदारी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अलावा पेशेवर बातचीत, अनुभवों के आदान-प्रदान और परिचालन की जानकारी में बढ़ोतरी करेगी।

प्रियंका गांधी ने लखनऊ में किया रोड शो, कहा-पीएम करते हैं फिजूल की बात

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव एवं उप्र प्रभारी प्रियंका गांधी ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में विधानसभा चुनाव के लिए घोषित पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करनी चाहिए लेकिन वह उन मुद्दों पर बात कर रहे हैं जिनका कोई सरोकार नहीं है।

प्रियंका गांधी ने बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार ललन कुमार के समर्थन में चिनहट इलाके में रोड शो की शुरुआत की। इस दौरान समर्थकों ने उन पर फूलों की वर्षा की और लोगों ने भी उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रियंका ने मौके पर मौजूद लड़कियों और महिलाओं को 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' लिखे रिस्ट बैंड भी दिए। प्रियंका का यह रोड शो लखनऊ के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरा। लखनऊ में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत आगामी 23 फरवरी को मतदान होगा। वर्ष 2017 के पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा लखनऊ की मोहनलालगंज सीट छोड़कर बाकी सभी आठ सीटों पर

जन हितैषी

चरम पर तनाव

रूस से चल रहे गतिरोध के बीच यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि शनिवार को पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थक अलगाववादियों की गोलाबारी में दो सैनिक मारे गए और जबकि चार घायल हो गए। यूक्रेनी सेना ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि उसने दिन की शुरुआत से अलगाववादियों द्वारा 70 संघर्ष विराम उल्लंघन दर्ज किए हैं। मालूम हो कि इससे पहले शनिवार को पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी नेताओं ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में हिंसा और पश्चिम में इस आशंका के बीच शनिवार को पूर्ण सैन्य लामबंदी का आदेश दिया कि रूस इस संघर्ष का इस्तेमाल हमले के बहाने के रूप में कर सकता है। यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे तनाव और रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने की आशंका के बीच रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास परमाणु बल सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने इस अभ्यास की शुरुआत की और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ मिलकर नियंत्रण केंद्र में बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण प्रक्षेपण को भी परखा। रूस के इस सामरिक युद्धाभ्यास से पश्चिमी देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि रूस हमले का निर्णय ले चुका है और वो परमाणु हमले के विकल्प पर भी विचार कर रहा है। यूक्रेन की सीमाओं पर रूस की सेना की तैनाती के चलते लगातार पूर्वी यूरोप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस ने अपने सवा लाख सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि उसने अब उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है, लेकिन अमेरिका और नाटो देश इस बात पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। ऐसे में यूक्रेन में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है और उसका किसी भी पाले में जाना उस पक्ष को मजबूत करेगा। ऐसे में यूक्रेन बेहद अहम है और आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। खासतौर पर रूस के लिए यूक्रेन बेहद अहम हो गया है। रूस आने वाले दिनों में महाशक्ति बनेगा या फिर महज एक देश ही रह जाएगा। इसका फैसला यूक्रेन विवाद करने की ताकत रखता है। सोवियत संघ का हिस्सा रहे लिथुआनिया, लाटविया समेत रूस के कई पड़ोसी देशों को अमेरिका ने नाटो में शामिल कर लिया है। इसे रूस की घेरेबंदी के तौर पर देखा जाता है। इन देशों में पोलैंड, नॉर्वे, एस्टोनिया भी शामिल हैं। अब अमेरिका की नजर यूक्रेन को नाटो में शामिल करने पर है। इसी पर रूस को आपत्ति है और वह किसी भी तरह के युद्ध को टालने के लिए अमेरिका से यह गारंटी चाहता है कि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल न करे। पिछले दिनों व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के विघटन को दुखद करार दिया था। उनकी महत्वाकांक्षा यूक्रेन को रूस में शामिल करने की है। यदि ऐसा होता है तो रूस एक महाशक्ति के तौर पर उभरेगा, जो शीत युद्ध से पहले हुआ करता था। यदि यूक्रेन नाटो में जाता है तो फिर रूस के लिए बड़ा झटका होगा। यूक्रेन को दो हिस्सों पश्चिम और पूर्व में बांटकर देखा जाता रहा है। इसमें पूर्वी यूक्रेन पर रूस का बड़ा प्रभाव है और उसकी भाषा को समझने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। यहां रूसी मूल के लोग अकसर यूक्रेन के खिलाफ विद्रोह करते रहे हैं। यही वजह है कि एक तरफ रूस की सेना यूक्रेन की सीमा पर डटी हैं तो वहीं अंदर से भी वह मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन को रूस से अलग कर पाना पश्चिमी देशों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा यूक्रेन की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, जिसे रूस और कमजोर करने की कोशिश में जुटा है। अमेरिका ने पिछले दिनों इस मसले को लेकर चीन पर भी निशाना साधा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन के दौरे पर भी गए थे। दरअसल दोनों देशों के बीच बीते कई सालों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं और कारोबार भी तेजी से बढ़े हैं। रूस अपने सामान का बड़ी मात्रा में यूरोपीय देशों को निर्यात करता है। यदि युद्ध होने की स्थिति में यूरोपीय देश उस पर बैन लगाते हैं तो फिर चीन के साथ वह कारोबार को बढ़ाकर इसकी भरपाई कर सकता है। यही वजह है कि चीन लगातार रूस के पाले में खड़ा नजर आ रहा है। इसके अलावा अमेरिका से दोनों देशों के मतभेद भी साथ आने की एक बड़ी वजह हैं। पुतिन वर्षों से यूक्रेन पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हिल ने कहा, पुतिन ने 2006 में यूक्रेन को गैस काट दी। वह 22 साल से सत्ता में है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को क्रॉस हेयर में रखा है और यह समय के साथ तेज हो गया है। पुतिन वह व्यक्ति बनना चाहते हैं, जिसने अपनी अध्यक्षता में यूक्रेन को रूस में वापस लाने का काम किया। इससे वह 2036 तक राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, जो कि उनके लिए संभव है। विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन चाहते हैं कि रूस की परिधि के सभी देश रूस समर्थक हों। यही कारण है कि यूक्रेनी सरकार की ओर से पश्चिम के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन के प्रति किए गए प्रस्तावों ने उन्हें नाराज कर दिया। सीआईए के रूसी कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख जॉन सिफर ने कहा, ठवह चाहते हैं कि उनकी विरासत अतीत के जार या सोवियत संघ के प्रमुखों की तरह हो। वह रूस को एक ऐसे स्तर पर ले जाना चाहता है, जहां विश्व मंच पर उसका डर, सम्मान और गंभीरता से व्यवहार किया जाता है।

आतंक का जवाब आतंक नहीं

2008 में अहमदाबाद में हुए आतंकी हमले के अपराधियों को विशेष अदालत ने जो सजा सुनाई है, वह स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी सजा है। इसमें 38 अपराधियों को मृत्युदंड, 11 को उम्रकैद और 48 पर 2.85 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके पहले 1991 में राजीव गांधी हत्याकांड में 26 लोगों को सजा-ए-मौत हुई थी। इस आतंकवादी हमले में 56 लोग मारे गए थे और 240 लोग घायल हुए थे। 70 मिनिट में 21 बम फटे थे। यदि सूरत में मिले 29 बम और फट जाते तो पता नहीं कितने लोग मरते। इस मुकदमे का फैसला आने में 14 साल लग गए, यह अपने आप में अच्छी बात नहीं है। इन अपराधियों को यदि साल-दो साल में ही फांसी पर लटका दिया जाता तो इस सजा का कहीं ज्यादा असर होता लेकिन सैकड़ों गवाहों से पूछताछ और पुलिस की खोजबीन अच्छी तरह से इसीलिए की गई कि न्याय में कमी न रह जाए। न्यायाधीशों ने गहराई में जाकर निष्पक्ष फैसला करने की कोशिश की है। 7 हजार पृष्ठ के इस फैसले में 77 आरोपियों में से 22 को बरी कर दिया गया है। यदि यह फैसला जल्दबाजी में होता तो ये 22 लोग भी लटका दिए जाते। इस फैसले को सांप्रदायिक नजरिए से देखना भी उचित नहीं है। इस आतंकी हमले की सारी पोल जिसने खोली है, वह भी एक मुसलमान ही है। उसका नाम अयाज़ सय्यद है। भारत के औसत मुसलमानों को भी इस आतंकवादी हादसे ने बुरी तरह आहत किया था। इस हमले की जिम्मेदारी 'इंडियन मुजाहिदीन' और 'स्टूडेंटस इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' नामक संगठनों ने ली थी। पुलिस की जांच-पड़ताल से पता चला है कि इसमें गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र, केरल और कर्नाटक के आतंकवादी भी शामिल थे। एक अर्थ में यह देश के सभी मुसलमानों को बदनाम करनेवाले संगठन थे। इनके सज़ायाफ्ता लोग में 21 से 40 साल के लोग भी हैं। ये लोग गोधरा कांड के बाद हुए दंगों का बदला लेने पर उतारु थे। इन्होंने अपने आतंकी विस्फोटों की झड़ी भारत के दूसरे शहरों में भी लगाई थी। इन्हें शायद पता नहीं है कि इनके विस्फोटों में मरे लोगों में हिंदू और मुसलमान दोनों ही थे। इन आतंकियों ने अपना निशाना तो गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अन्य मंत्रियों को बना रखा था। ज़रा सोचिए कि यदि ये लोग अपने इरादों को अंजाम दे पाते तो देश के करोड़ों निर्दोष मुसलमानों की दशा क्या होती? 2002 में गुजरात के दंगों में मारे गए मुसलमानों के प्रति देश के सभी हिंदुओं और मुसलमानों को काफी अफसोस था लेकिन आतंकवादी हरकतों ने उस अफसोस को भी नदारद कर दिया। इन आतंकवादियों को अब जो कड़ी सजा मिल रही है, उसके कारण बहुत-से घरों में अंधेरा हो जाएगा लेकिन लोगों को बड़े पैमाने पर सबक भी मिलेगा। सबक यह है कि कोई भी आतंकी कितनी ही चालाकी करे, वह न्याय के शिकंजे में फंसे बिना नहीं रहेगा। जिन परिवारों ने इस आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके घावों पर यह मरहम भी कुछ काम नहीं करेगा। कुछ मुस्लिम संगठन अदालत के इस फैसले पर सांप्रदायिक रंग चढ़ा रहे हैं लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि भारत की अदालतें अपने फैसले जाति और मजहब के आधार पर नहीं करती हैं। आतंकवादी कोई हो, हिंदू या मुसलमान, उसे कठघरे में खड़े होना ही पड़ेगा और अपने किए का फल भुगतना ही पड़ेगा। इस फैसले ने यह सिद्ध किया है और इसका यही संदेश है कि आतंक का जवाब आतंक नहीं हो सकता।

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

आज का इतिहास 22 फरवरी

1495 फ्रांस नरेश चार्ल्स आठवें के नेतृत्व में सेना नेपल्स (इटली) पहुंची.
1724 स्वीडन और रूस ने आपसी सहायता संबंधी समझौता किया.
1732 अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन का जन्म.
1788 जर्मन दार्शनिक आर्थर शोपेन हावर का जन्म.
1848 लुई फिलिप के शासन की असफलताओं के कारण पेरिस में विद्रोह हुआ.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिलीपींस में जनजातियों ने बड़ी संख्या में जापानी सैनिकों का सफाया कर दिया.
1944 महात्मा गांधी की पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गांधी का निधन.
1958 मौलाना अबुल कलाम आजाद का निधन.
1964 घाना में एकदलीय शासन व्यवस्था लागू हुई.
1966 उगांडा के प्रधानमंत्री मिल्टन ओबोटे ने अपने मंत्रिमंडल के पांच सहयोगियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए.
1975 इथोपिया में सैनिकों के साथ संघर्ष दो हजार से अधिक छापामार मारे गए.
1989 अमरीकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने चीन,जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा के लिए रवाना हुए.
1990 मंगोलिया की राजधानी उलन बटोर से स्टालिन की अंतिम मूर्ति भी हटा दी गई.
1992 खार्तूम में हजारों शरणार्थियों के घर तोड़ दिए गए.
2005 दक्षिण पूर्वी इरान में भूकम्प से 500 मरे व 1000 घायल.

शब्द पहेली - 7205

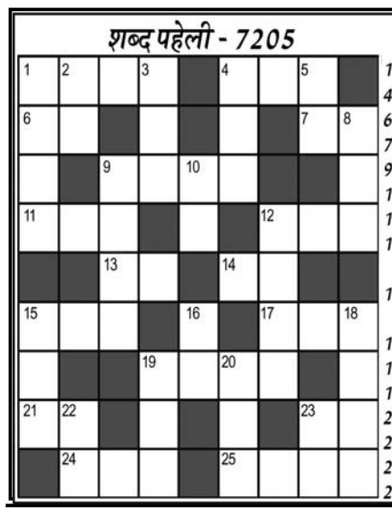

बाएँ से दाएँ

1.रुद्र,शिव,भैरव-4
4.आर्युवेद के जनक-3
6.भीगा हुआ-2
7.ताला(अंग्रेजी-2)
9.शेविंग करना -4
11.योग्य,अनुरूप-3
12.अल्सर-3
13.ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14.नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15.नाप जोख करना-3
17.अनुमान लगाना-3
19.उदारता,बड़प्पन-4
21.गाथा,कहानी -2
23.जनकपुत्री-2
24.जिज्ञासा,उत्साह-3
25.राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1.इच्छुक,अलमस्त-4
2.मात,पराजय-2
3.बोलने का तरीका-3
4.अचंभित-3
5.आर्ट,हुनर-2
8.गुनाह,अपराध-3
9.अटक-अटक कर बोलना-4
10.सरुर,खुमार,नशा, घमंड-2
12.नजाकत-4
15.अभिनेता,कप्तान-3
16.आनंद बोधक शब्द-2
18.सम्राट,राजा-4
19.व्यंग,परिहास-3
20.मुलायम-3
22.परात,बड़ी थाली-2
23.हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -7204 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या हमारी चुनाव प्रक्रिया दोष रहित है....?

आज का अहम् सवाल....?

हमारे देश को आजाद हुए पचहत्तर वर्ष हो चुके, इस दौरान हमारी संसद और विधानसभाओं के डेढ़ दर्जन से भी अधिक चुनाव हो चुके और विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारें अपने-अपने ''जलवे'' दिखाकर चली गई। किंतु अब जब हमारा प्रजातंत्र वयोवृद्ध हो चुका है, तब यह सवाल उठाया जा रहा है कि ''क्या हमारी चुनाव प्रक्रिया दोष रहित है?'' यही नहीं इतने वर्षों बाद हमारी सर्वोच्च न्यायालय ने सरकारी खर्च पर चुनावी वादे पूरे करने पर सवाल उठाया और उसके जवाब में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी पार्टी (भाजपा) को निर्देश दिया कि चुनाव प्रचार के दौरान वादे उतने ही किये जाए जो सरकार की आर्थिक स्थिति के अनुरूप हो, अर्थात् सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर प्रधानमंत्री जी की यही प्रतिक्रिया थी। फिर सुप्रीम कोर्ट की इस चिंता का जवाब यह भी है कि आज तक किसी भी सत्तारूढ़ दल ने अपने चुनावी वादे अपने दल के खर्च पर पूरे किये है?

अब यह सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि क्या हमारे संविधान निर्माताओं से संविधान में चुनावी प्रावधानों पर विचार करते समय कोई चूक हो गई थी? क्या उन्होंने क्या संविधान निर्मात्री पीठ ने भी इस मसले पर विचार नहीं किया कि देश का प्रधानमंत्री व चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्रीगण जो कि दल विशेष से सम्बंधित रहते है, वे चुनाव प्रचार के दौरान किसके खर्च पर चुनाव प्रचार अभियान चलाते है, आज देश के पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों का दौर चल रहा है और माननीय प्रधानमंत्री जी पिछले डेढ़ महीनें से अनवरत चुनावी यात्राएँ कर रहे है, तो उनकी इन यात्राओं का पूरा खर्च भारतीय जनता पार्टी वहन कर रही है? और यदि इसका जवाब ''हाँ'' है तो वह यह सार्वजनिक करे कि उसने पिछले 45 दिनों में प्रधानमंत्री के चुनाव प्रचार पर कितनी धनराशि खर्च की? यही स्थिति सम्बंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की है, सिर्फ चुनावी प्रचार में सरकारी वाहनों से परहेज कर लेने मात्र से कानून की पूर्ति थोड़े ही हो जाती है, उनकी यात्रा, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था पर किया गया सरकारी खर्च भी सम्बंधित दलों के खातों में जाना चाहिये, क्या आज तक कभी ऐसा हुआ है?

आज देश का बुद्धिजीवी इन्ही सवालों में उलझा हुआ है, उसकी सोच यही है कि आज यह जो कुछ भी हो रहा है, यह हमारे संविधान निर्माताओं की की दूरदृष्टि हीनता का परिणाम है फिर जब संविधान बना था तब तो इसके बनाने वाले फिर भी निष्पक्ष माने जो सकते थे, किंतु अब पचहत्तर साल बाद कुर्सी लोलुप राजनेताओं से चुनाव प्रक्रिया कानून में संशोधन की तो उम्मीद रखना ही व्यर्थ है।

वास्तव में इस संदर्भ में स्पष्ट कानून यह होना चाहिये था कि देश में लोकसभा चुनावों के समय तथा राज्यों में विधानसभा चुनावों के समय राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिये, इससे जहां सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री निष्पक्ष चुनावी कानून लागू की प्रक्रिया में आ जाते, वहीं देश तथा राज्यों में चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ दल व उसके नेताओं का रूतबा काम नहीं कर पाता और चुनावों की निष्पक्षता का सेहरा संविधान के सिर पर होता, किंतु आज के चुनाव और उनकी कथित निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने जो चिंता व्यक्त की है, वह जायज प्रतीत होती है। ....और फिर इन चिंताओं को लेकर आज का गंभीर सवाल यह भी है कि आज के राजनेता यह सब पसंद करेंगें? यद्यपि चुनाव के समय देश व राज्यों में राष्ट्रपति शासन के मुद्दें पर भी यह सवाल खड़ा किया जा सकता है कि क्या राष्ट्रपति व राज्यों के राज्यपालों का राजनीति से कभी कोई सम्बंध नहीं रहा, जिससे कि वे निरपेक्ष भाव से राजनीति से परे रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करेगें? यह चिंता भी सही है, किंतु चूंकि राष्ट्रपति व राज्यपाल स्वयं चुनाव प्रचार नहीं करते और शपथ के इस सूत्र का कड़ाई से पालन करते है, इसलिए उन पर इस बारे में विश्वास किया जा सकता है, किंतु मैं सवाल उठाते स्वयं यह चिंतन भी कर रहा हूँ कि मेरे इस सवाल उठाये जाने का मतलब ही क्या है, जबकि आज की राजनीति का एकमात्र उद्देश्य ही सत्ता का सिंहासन हो गया है, किंतु देश व यहां के बुद्धिजीवी व अन्य चिंतक वर्ग इस सवाल पर गंभीर चिंतन करें इतनी अपेक्षा तो मैं इस वर्ग से कर ही सकता हूँ।

आज इस बात पर मंथन जरूरी नहीं कि संविधान निर्माण के समय इस गंभीर मसले पर विचार क्यों नहीं किया गया और पिछले पचहत्तर वर्षो। में इस त्रुटि को सुधारा क्यों नहीं गया? किंतु मंथन इस बात जरूरी है कि हमारी चुनावी प्रक्रिया के इस दोष को अब कैसे दूर किया जा सकता है? और क्या अगले सभी चुनाव भी इसी दोष के चलते सम्पन्न होगें? इस बारे में विश्व के अन्य प्रजातंत्री देशों के चुनाव कानूनों का भी अध्ययन किया जा सकता है और क्या अमेरिका जैसे देश में भी यही प्रक्रिया जारी है? इस पर भी विचार होना चाहिए। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

कांग्रेसी नेताओं के अलगाववादी बयान और नागरिक चिंताएं

भारत के किसी राज्य के स्थाई निवासी के नाते अपमान क्या है? आज यूपी या बिहार के किसी भी स्थाई निवासी से पूछ लो ,जो एक राष्ट्रीय पार्टी ठकांग्रेसठ के स्वयम्भू नेताओ के यूपी या बिहारियों के लिए अपमानजनक अलगाववादी बयान दे रहे हैं।

कांग्रेसी शीर्ष नेताओं के बयानों से अपमानित अवमानित यूपी और बिहार के लोगों से कोई पूछे तो वे अपने प्रति कांग्रेसी नेताओं का अनमनापन, प्रयोजनशून्यता, दिशाहीनता, रिक्तता अलगाववाद एवम अपमान को अच्छे से समझ चुके आक्रोशित ही मिलेंगे ।

इन बयानों से क्षुब्ध यूपी बिहारी बन्धु बहिने मौजूदा समय में कांग्रेसी राजनीति में अपने आप को पूरी तरह से अप्रासंगिक और तिथिबाह्य पा रहे हैं ।

आज कांग्रेस के पँजाब के मुख्यमंत्री श्री चन्नी का चुनावी मंच से दिया गया, यह बयान की यूपी बिहार के भय्यों का पँजाब में क्या काम ? और लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे की प्रणेता प्रियंका वाड्रा द्वारा तालियां बजा बजा कर चन्नी के बयान पर प्रसन्नता और समर्थन से यूपी बिहार मूल के लोग दुखी और आक्रोशित हैं ।

मोदी विरोधी कांग्रेस के सहयोगी विपक्ष की चुप्पी से विभिन्न राज्यो में रह रहे यूपी बिहारी मूल के लोगो मे इन राज्यों में अपने रोजगार के अस्तित्व का संकट घर कर गया है, वे ऐसी मनोदशा में हैं मानो जैसा किसी परग्रही को अन्य ग्रह पर लगता होगा।

विगत दिनों संसद में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी का यह बयान कि ठभारत राष्ट्र नही हैठ से पीड़ित देशभक्त नागरिकों को प्रधानमंत्री मोदी जी के उक्त विषय मे प्रत्युत्तर से सांत्वना अवश्य मिली है, जिसमे उन्होंने राष्ट्रत्व के उस साझे तत्व को परख कर उसमे राहुल के वक्तव्य से उपजी नागरिकों की पीड़ा की सुन्दरता और शोक की अस्मिता को उदाहरणों सहित एक एकात्मक अखण्ड अटूट राष्ट्रत्व लय में रखा था ।

बीते लोकसभा चुनाव के समय भी केरल के वायनाड में यूपी बिहार के लोगों को राहुल गांधी ने गंवार कहा था , जिसे आज भी किसी दिन सोशल मीडिया पर अपलोड किसी वीडियो में सुनने के बाद यूपी बिहार के लोगो के भीतर एक स्तब्ध सूनापन गूँजने लगता है, आज भी कांग्रेस शासित राज्यो में यूपी बिहार के लोग इन बयानों के मद्दे नजर अपने आप को सुरक्षित नही पाते तथा असुरक्षित भविष्य से शंकित होकर कुछ नया उद्यम या रोजगार भी आरम्भ नहीं कर सकते,।

मेरी राजस्थान ,पँजाब ,छतीसगढ़ ,महाराष्ट्र में रह रहे कुछ लोगो से इस विषय पर चर्चा हुई बकौल उनके वे कांग्रेसी शासन में एक अधूरेपन ,अलगाववादी भयग्रस्तता के अंतर्भाव से ग्रसित थे। रोजगार की दृष्टि से वे अवकाश की सी भावमुद्रा में है। वह अवकाश वैसे ही अनमनेपन और प्रयोजनहीनता से भरा था- जो दो राष्ट्रों के नागरिकों के बीच रहता है।

यूपी बिहारी बन्धु कांग्रेस शासित राज्यों में इन नेताओं के बयानों के बाद कारावास और निर्वासन की भाव मुद्रा में आ गए हैं ।

राष्ट्रतात्विक मनोविज्ञान के संवैधानिक अर्थों में देश की एकरूपता व सांस्कृतिक राष्ट्रत्व की भावमुद्रा को कांग्रेसी बयानों के स्वर ने अशांत और अस्वीकार्यता के स्तर पर लाकर राष्ट्रद्रोह जैसा पाप किया है ।

सौभाग्य से एक समझदार प्रधानमंत्री द्वारा चीन से किसी सम्भावित समझौते के क्रियान्वयन के प्रयोजन से दिए जा रहे इन बयानों , हिजॉब विवाद जैसे फिजूल के मुद्दों पर राहुल गांधी के कट्टर जेहादी समर्थकों द्वारा भारत को अशांत करने के मंसूबों का संज्ञान ले लिया है ।

भारत एक राष्ट्र है ,इसके समस्त नागरिक संविधान के द्वारा समान मौलिक विधिक अधिकार पाएं हुए हैं । कांगेस अपनी विदेशी मूल की अध्यक्षा एवम उनके वर्णसंकर पुत्र पुत्रियों की इस मूर्खतापूर्ण बयानबाजी से जितनी जल्दी निजात पा लेगी उतना ही नागरिकों के बीच एकता अखण्डता का एक रूपक फिर से राष्ट्र जीवन में निर्मित होगा ।

राष्ट्र के सर्वांगीण ,समन्वयित, समरस, सर्वसमावेशी विकास के एकमेव लक्ष्य से गूंथा हुआ ,सर्वपंथ समभाव से बँधा हुआ राष्ट्र जीवन फिर से निर्मित हो जाएगा ।।

राष्ट्र की एकता अखण्डता के हित मे होगा कि कांग्रेस की विदेशी मूल की नेत्री माँ ,बेटा और बेटी सक्रिय राजनीति से देशहित में स्वयम ही दूर होकर कोई नया रोजगार धंधा प्रारम्भ करें । लाइम लाइट से दूर होकर देशाटन करें , यूपी बिहारी भाई बहिन कितनी मेहनत से अपना जीवन यापन एवम देश के विकास में लगे हैं ,यह जानने के लिए उनकी बस्ती झुग्गियों और मोहल्लों ,निर्माण कार्यों के स्थलों में कुछ दिन उनके साथ रहे । उनके तीज त्योहार में शामिल हों , उनकी भाषा बोली बोलना सीखें । उनके लोकगीतों को सीखे गायें । उनके राष्ट्रीय महापुरुष और विदेशी हमलावरों के विरुद्ध देश के लिए लड़ते हुए उनके पूर्वजों के बलिदान की गाथाएं पढ़ें । कुल मिलाकर देश के लिए देश की आत्मा या चिति को समझें । यह उद्द्यम उनके मनोभावों के उन आशयों को पूर्ण कर देगा- जिससे मुक्ति या निर्वाण मिले- तथा इससे राष्ट्र जीवन में नागरिकों को कुछ दिनों के लिए संतोष भी अवश्य मिलेगा ।

अपमानित और अवमानित' यूपी बिहारी भाइयो बहिनो के लिये कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा दिए गए बयानों के लिए यही सही प्रायश्चित होगा ।

शेष बची कमजोर कांग्रेस के लिए अब भी यह सम्भव है, उसमें अवसान की चेतना चाहे जितनी सघन हो,लोकतांत्रिक राष्ट्र में एक शक्तिशाली विपक्ष सुदीप्त क्षितिज सदैव सुदूर कौंधता रहेगा।

वैसे वर्तमान में चुनावी क्षेत्रों में रह रहे यूपी बिहार मूल के मतदाता बन्धु कांग्रेसी नेताओं के इन बयानों एवम सहयोगी राजनीतिक दलों की चुप्पी के आलोक में अपनी राजनीतिक समझ का परिचय वर्तमान निर्वाचन में कांग्रेस को अवश्य करा देंगे । (लेखक- डॉ विश्वास चौहान / ईएमएस)

विश्व विचार दिवस

हर साल विश्व भर में 22 फरवरी को विश्व चिंतन दिवस यानी वर्ल्ड थिंकिंग डे मनाया जाता है, यह एक ऐसा दिन है जब वे दुनिया के सभी देशों में अपनी ''बहनों'' (और ''भाइयों'') के बारे में सोचते हैं, मार्गदर्शक का अर्थ, और इसका वैश्विक प्रभाव। 22 फरवरी को चुना गया क्योंकि यह स्काउटिंग और गाइडिंग के संस्थापक लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन-पॉवेल और लेडी ओल्वे बाडेन-पॉवेल , उनकी पत्नी और विश्व मुख्य मार्गदर्शक का जन्मदिन था ।

1999 में, आयरलैंड में आयोजित 30 वें विश्व सम्मेलन में, इस विशेष दिन के वैश्विक पहलू पर जोर देने के लिए नाम को ''थिंकिंग डे'' से बदलकर ''वर्ल्ड थिंकिंग डे'' कर दिया गया।

थिंकिंग डे का उद्देश्य दुनिया भर के युवाओं को एक साथ लाना है – लगभग 150 देशों ने जश्न में भाग लेने के लिए चुना – अंतरराष्ट्रीय मज़ा और दोस्ती का जश्न मनाने के लिए, साथ ही साथ पैसे जुटाने और वर्ष के वैश्विक विषय पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए।

''अच्छा या बुरा कुछ भी नहीं ष्ट्ठ, यह केवल व्यक्ति की सोच से परिभाषित होता ष्ट्ठ .. विश्व चिंतन दिवस पर शुभकामनाएं। ''

''हम अपनी सोच को अच्छा और स्वस्थ बनाने के लिए पोषण करके विश्व चिंतन दिवस मनाएं क्योंकि यही हमारा जीवन है।''

''अगर सभी लोग एक ही विचार के साथ आते हैं तो यह बहुत निश्चित है कि कोई व्यक्ति बिल्कुल नहीं सोच रहा ष्ट्ठ, विश्व सोच दिवस पर शुभकामनाएं। ''

''विश्व चिंतन दिवस हमें याद दिलाता है कि हर समस्या का समाधान है और हम इसे पूरे ध्यान से सोचकर पा सकते हैं।''

''सोच निश्चित रूप से अधिक दिलचस्प है कि जानना लेकिन देखने की तुलना में कम आकर्षक है।''

''सबसे आम समस्याओं में से एक यह है कि लोग अपनी शक्तियों को यह सोचकर छोड़ देते हैं कि उनके पास कोई भी नहीं है।''

''ईश्वर ने मनुष्य को सोचने, विचारने की शक्ति दी है, जो ज्ञात है उससे परे ढ्ढस्ष्ठ, आइए हम इस शक्ति का उपयोग दुनिया को बेहतर जगह बनाने के लिए करें। ''

हम केवल एक समस्या को हल कर सकते हैं यदि हम अपनी सोच में कुछ बदलाव लाते हैं, एक सकारात्मक ॠढ्ढछॠष्ठ .. हैप्पी वर्ल्ड थिंकिंग डे।''

''पढ़ना उतना ही अच्छा है जितना कि ढ्ढस्ष्ठ, अंतर केवल इतना है कि आपके लिए कोई दूसरा व्यक्ति यह कर रहा है। ''

''यदि आपके पास सोचने की शक्ति है तो आपके पास समस्याओं को हल करने की शक्ति है, परिवर्तन लाने के लिए शक्ति और परिवर्तन लाने की शक्ति है।'' (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

22 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

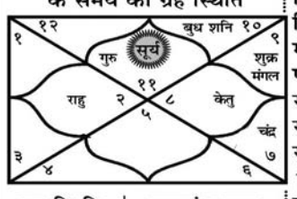

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.35 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	09.05 बजे से
मंगल	धनु में	वृष	10.45 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.43 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.57 बजे से
शुक्र	धनु में	सिंह	17.13 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	19.25 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.36 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.50 ब.से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		धनु	02.06 बजे से
		मकर	04.11 बजे से
		कुंभ	05.58 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 53 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 18.35 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 15.36 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 10.51 बजे को समाप्त। **करण** गर 07.18 बजे, वणिज 18.35 बजे तदनन्तर विष्टि 05.48 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 20.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871167
जूलियन दिन 2459632.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 20
विशेष यशोदा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

बीजिंग शीतकालीन ओलिम्पिक खेलों का रंगारंग समापन

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना वायरस महामारी के बीच हुए बीजिंग शीतकालीन ओलिम्पिक खेल का रविवार को यहां एक भव्य समारोह में समापन हुआ है। इस टूर्नामेंट की आधिकारिक लौ बुझाने के साथ ही यह टूर्नामेंट समाप्त हो गए। बायोबबल के दौरान हुए इस मुकाबले में करीब 463 कोविड-19 संक्रमण के मामले भी सामने आए थे।

गौरतलब है कि चीन पर मानवाधिकारों के उल्लघंन के आरोप लगाते हुए कई देशों ने इसका कूटनीतिक बहिष्कार करते हुए कोई आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा हालांकि उन्होंने अपने खिलाड़ियों को इन खेलों में हिस्सा लेने के लिए भेजा। अब सभी की निगाहें पेरिस 2024 ओलिम्पिक पर लगी होंगी और अधिकारियों को उम्मीद है कि ये कोविड-मुक्त और विवाद मुक्त खेल होंगे। अंतरराष्ट्रीय ओ

भारत और फ्रांस अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से जुड़े मामलों में समन्वय बढ़ाने सहमत

पेरिस (ईएमएस)। वैश्विक स्तर पर उत्पन्न चुनौतियों के लेकर भारत और फ्रांस गंभीर है। दोनों देशों ने घोषणा की है कि वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से जुड़े हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच 'नई चुनौतियों' का सामना करने के लिए वे बहुपक्षीय निकायों और वार्ताओं को मजबूत करने के लिए समन्वय करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर की रविवार ंह फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-यवेस ले द्रायां के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और फ्रांस ने समुद्री अर्थव्यवस्था पर द्विपक्षीय आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच कानून के तहत समुद्र पर एक साझा दृष्टिकोण बनाने तथा सतत एवं मजबूत तटीय और जलमार्ग खाके पर सहयोग के लिए भी सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय ने रूपरेखा सार्वजनिक करते हुए कहा, 'यह समुद्री सुरक्षा में भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की दिशा में अहम कदम है।'

भारत और फ्रांस दुनिया भर में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के विकास और उन्हें मजबूत करने के लिए बातचीत करेंगे, खास तौर पर भविष्य की जैवविविधता वैश्विक रूपरेखा पर वार्ता के हिस्से के रूप में। इस रूपरेखा के अनुसार, 'भारत और फ्रांस अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून से बंधे हुए हैं और यह सभी समुद्रों तथा महासागरों पर भी लागू होता है।' इसमें कहा गया, 'इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून को मजबूत करने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए वे बहुपक्षीय निकायों और वार्ताओं में आपसी समन्वय बढ़ांएगे फिर चाहे वे अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन, समुद्री मामलों से संबंधित क्षेत्रीय समुद्री सम्मेलन और जहां वे दोनों पक्ष हैं, या यूएनसीएलओएस (समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) के तहत अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन पर अंतर सरकारी सम्मेलन हो...'

दक्षिण चीन सागर में आक्रामक बर्ताव कर रहे चीन ने 2016 में हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के एक फैसले को खारिज कर दिया था। यह मामला दक्षिण चीन सागर में चीन के अधिकारों के दावों के खिलाफ फिलीपीन लाया गया था। यह फैसला यूएनसीएलओएस के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने दिया था। भारत और फ्रांस पर्यावरण तथा तटीय एवं समुद्री जैव विविधता का सम्मान करते हुए नीली अर्थव्यवस्था को अपने-अपने समाज की प्रगति का वाहक बनाना चाहते हैं। दोनों देशों का उद्देश्य वैज्ञानिक जानकारी और समुद्री संरक्षण में योगदान देना तथा यह सुनिश्चित करना है किंह समुद्र स्वतंत्रता और व्यापार का स्थान बने जो कानून पर आधारित हो।

सोने ओर चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। धरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 212 रुपये टूटकर 49,827 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,039 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी के अनुरूप चांदी भी 480 रुपये नीचे आकर 63,329 रुपये प्रति किलोग्राम पर खिसक गयी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 63,809 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे की बढ़त के साथ 74.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,893 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं चांदी भी हल्के नुकसान के साथ ही 23.78 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट रही। बाजार में यह गिरावट रुस , यूक्रेन संकट के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू बाजार में बिकवाली हावी होने से आई है। यूरोपीय बाजारों में आई गिरावट से भारतीय बाजारों पर भी दबाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 149.38 अंक करीब 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,683.59 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 69.65 अंक तकरीबन 0.40 फीसदी टूटकर 17,206.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल तीस में से 21 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें सन फार्मा, टीसीएस और आईटीसी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहीं इसके विपरीत दिग्गज आईटी कंपनियों विप्रो और इन्फोसिस के शेयर लाभ में रहे। सोमवार के कारोबार में कोल इंडिया , हिंडाल्क्को , यूपीएल, ओएनजीसी और आडानी पोर्टस के शेयर नीचे आये हैं जबकि विप्रो, इंफोसिस , पॉवर ग्रिड कारपोरशन और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर ऊपर आये हैं। इसके साथ ही एनएसई का निफ्टी भी 33.90 अंक या 0.20 फीसदी फिसलकर 17,270.70 के स्तर पर बंद हुआ था। इस पहले विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को ही 2,529.96 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे उसके बाद से ही बाजार धारणा कमजोर हुई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और सेंसेक्स व निफ्टी नीचे आये।

वैश्विक संकेतक, रुपए की चाल और कच्चे तेल के भाव से तय होगी बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के घरेलू शेयर बाजारों में चल रही अनिश्चितता के स्थिर होने के हाल फिलहाल आसार नहीं दिख रहे हैं। इस सप्ताह भी उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्रों का सामना करना पड़ सकता है और इस दौरान वैश्विक संकेतक, रुपये की चाल और कच्चे तेल के भाव से आगे बाजार की दिशा तय होगी। 'विशेषज्ञों ने कहा कि कारोबारी रूस और यूक्रेन के बीच तनाव पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले कुछ हफ्तों से बाजार को प्रभावित कर रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, अमेरिका और रूस के बीच महत्वपूर्ण बैठक को देखते हुए अगले सप्ताह भी बाजार में अस्थिरता रहने की आशंका है।

मुद्रास्फीति की चिंता, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मासिक वायदा एवं विकल्प के निपटान से अगले सप्ताह अस्थिरता और बढ़ सकती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने और संकट के समाधान की मांग की है। भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी की संभावना के चलते विदेशी कोषों ने भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली शुरू कर दी है।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी की वरिष्ठ ईवीपी और इक्विटी शोध प्रमुख शिवानी कुरियन ने कहा, 'निवेशक मार्च में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों और रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रति सतर्क रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'भारत और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ही मुद्रास्फीति और कंपनियों के तिमाही नतीजों से भी बाजार प्रभावित होगा।'

विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में चल रहे विधानसभा चुनावों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 59.04 अंक या 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 57,832.97 पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 28.30 अंक या 0.16 प्रतिशत टूटकर 17,276.30 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 319.95 अंक या 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 98.45 अंक या 0.56 प्रतिशत टूटा।

22 साल पीछे जाने वाला है शेयर बाजार!

- जेफरीज के ग्लोबल हेड ने मार्केट क्रैश करने की जताई आशंका

वाशिंगटन (ईएमएस)। जेफरीज के ग्लोबल इक्विटीज हेड क्रिस्टोफर वुड का कहना है ?कि हाल के दिनों में आपने बाजार में जो गिरावट देखी है, वह तो शुरुआत भर है। आने वाले दिनों में इसमें भी बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बाजार के जानकार मानते हैं कि शेयर बाजार में 22 साल पहले जैसे हालात बनते दिख रहे हैं। यानी वर्ष 2000 में जिस तरह मार्केट क्रैश हो गया था, आने वाले दिनों में बाजार में वैसी ही गिरावट देखने को मिल सकती है। क्रिस्टोफर वुड ने टेक शेयरों में आई इस गिरावट को वर्ष 2000 में ग्लोबल लेवल पर आई भारी गिरावट से जोड़ते हुए कहा है कि उस वक्त भी इसी तरह पहले डॉटकॉम शेयरों में गिरावट दर्ज की गई थी। इसके कुछ ही महीनों बाद पूरा बाजार बैठ गया था। वुड ने हाल में वीकली न्यूजलेटर जारी किया, ?जिसमें कहा गया है कि आज की स्थिति को वर्ष 2000 में न्यूयॉर्क एक्सचेंज सहित दुनिया भर के बाजारों में आई भारी गिरावट से जोड़कर देखा जा सकता है। 22 साल पहले सबसे पहले डॉटकॉम कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए थे। बाकी बाजार उस दौरान अस्थिरता के साथ कारोबार कर रहा था। बाद में सभी ने देखा गया कि कैसे 6 महीने के भीतर एसएंउपी 500 इंडेक्स भी धड़ाम हो गए। उनका कहना है ?कि शेयर बाजारों में गिरावट का जो दौर आया है, अभी वह रुकने वाला नहीं है।

क्रिस्टोफर वुड ने भले बाजार में गिरावट की आशंका जताई हो, लेकिन बाजार के जानकार निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि निवेशकों को इस समय आय में अच्छी ग्रोथ वाली मार्केट लीडर कंपनियों के साथ बने रहने की जरूरत है। पिछले एक-दो महीने से ऐसा देखा जा रहा है कि अमेरिका और भारत सहित दुनिया भर में टेक कंपनियों या नये जमाने की कंपनियों के शेयरों में लगातार बिकवाली हो रही है। पेटीएम, जोमैटो, कार ट्रेड और पीबी फिनटेक समेत भारत की नये जमाने की कई कंपनियों के शेयर अपने निम्नतम स्तर यानी सबसे निचले स्तर या उसके आसपास कारोबार कर रहे हैं। इन कंपनियों में से कई कंपनियों के शेयर अपने आईपीओ इश्यू प्राइस से भी नीचे चले गए हैं। यह बेहद चिंता की बात है। अमेरिका के शेयर बाजार फेसबुक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। कुछ सप्ताह पहले तक सोशल मीडिया साइट फेसबुक 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक की कंपनी थी। लेकिन अब इसकी मार्केट वैल्यू 565 अरब डॉलर रह गई है। विश्व की सबसे बड़ी कंपनियों की लिस्ट में यह खिसककर 11वें नंबर पर आ गई है।

यूक्रेन पर हमले का सबसे ज्यादा असर तेल और गेहूं बाजार पर पड़ेगा

- गेहूं के बड़े निर्यातक कजाकिस्तान और रोमानिया में निर्यात बाधित हो जाएगा

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच इन दिनों तनाव इतना बढ़ गया है कि स्थिति युद्ध तक आ गई है। अगर रूस और यूक्रेन आपस में टकराते हैं तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा असर तेल और गेहूं के बाजार पर पड़ेगा। इसके अलावा यूक्रेन के स्टॉक मार्केट में भी खलबली मच सकती है। अगर ब्लैक सी रीजन से गेहूं के व्यापार में किसी भी तरह की बाधा पड़ती है तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इस समय वैसे भी कोरोना महामारी की वजह से तेल और खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा देखा जा रहा है। अगर यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ा तो ब्लैक सी में भी सैन्य कार्यवाही या फिर प्रतिबंधों की वजह से इसका असर दिखाई देगा। गेहूं के बड़े निर्यातकों में यूक्रेन, रूस, कजाकिस्तान और रोमानिया की गिनती गेहूं के बड़े निर्यातकों में होती है। युद्ध की स्थिति में इन देशों का निर्यात बाधित हो जाएगा। यूरोपीय देशों को मिलने वाली नेचुरल गैस रूस से ही मिलती है। यह पाइपलाइन के जरिए बेलारूस और पोलैंड के रास्ते जर्मनी पहुंचती है। एक पाइपलाइन सीधा जर्मनी पहुंचती है और दूसरी यूक्रेन के रास्ते जर्मनी तक पहुंचती है। साल 2020 में रूर से होने वाली नेचुरल गैस की सप्लाई कम हो गई थी। अगर युद्ध होता है तो यूक्रेन से आने वाली पाइपलाइन पर रूस रोक लगा सकता है। अगर ऐसा होता है तो तेल और नेचुरल गैस की कीमत आसमान पर चढ़ जाएगी और इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

यूक्रेन के रास्ते स्लोवाकिया, हंगरी और चेक रिपब्लिक तक रूस का तेल पहुंचता है। ऐसे में अगर आपूर्ति बाधित होती है तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। अगर रूस और यूक्रेन में युद्ध होता है तो दुनिया को मंदी के दौर से गुजरना पड़ सकता है। सैन्य कार्यवाही की वजह से इन दोनों देशों की मार्केट पर बड़ा असर पड़ेगा। हाल में बढ़े तनाव के मद्देनजर दोनों ही देशों के डॉलर बॉन्ड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में रूस के बाजारों में गिरावट देखी गई है। इस स्थिति में विदेशी मुद्रा बाजार में भी अनिश्चितता का माहौल है। 2014 का उदाहरण लें तो लिक्विडिटी गैप और यूएस डॉलर होर्डिंग की वजह से पूरी दुनिया के बाजारों पर इसका प्रभाव दिख सकता है।

अंग्रेजी शासन के दौरान लंदन लाई गई भारतीय आयाओं के आवास को सम्मानित किया जाएगा

लंदन (ईएमएस)। अंग्रेजों के परिवारों द्वारा भारत से लाई गई आया या नर्सों के लिए लंदन में बने एक घर को 'ब्लू प्लाक' से सम्मानित किया जाएगा। यह ब्रिटेन की राजधानी में श्रमिक वर्ग के अनुभवों पर प्रकाश डालने की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इंग्लिश हेरीटेज चैरिटी द्वारा चलाई 'ब्लू प्लाक' योजना के तहत लंदन में ऐतिहासिक महत्व वाली इमारतों को सम्मानित किया जाता है। पूर्वी लंदन के हैकने इलाके में आया होम में भारत और दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशिया के अन्य उपनिवेश से लाई गई आयाएं रहती थीं। यह घर 1900-1921 में बना था। इंग्लिश हेरीटेज ने कहा कि ब्रिटिश परिवारों द्वारा लंदन लाई गई कई महिलाओं को 'द आयाज' होम में आश्रय और सुरक्षा मुहैया कराई गयी। इन आयाओं से उनके नियोक्ताओं ने वापस भेजने का वादा नहीं निभाया। छोड़ दी गई आया साझा आश्रय स्थलों या कार्य स्थल पर रहने को मजबूर थीं।

'ब्लू प्लाक' इंग्लिश हेरीटेज द्वारा लंदन में महिलाओं के अनुभवों का जश्न मनाने की कोशिश का हिस्सा है। ब्रिटिश भारतीय जासूस नूर इनायत खान के लंदन स्थित घर को भी सम्मानित किया जाना है। इंग्लिश हेरीटेज की ब्लू प्लाक समिति की सचिव एना एविस ने कहा इस साल हम जो कहानियां बता रहे हैं उनमें से कई लंदन के कामकाजी वर्ग की हैं। मैं खासतौर से मैच गर्ल्स प्लाक को लेकर उत्साहित हूं। 15 से 20 वर्ष की आयु के बीच की महिलाओं के एक समूह द्वारा की गई, इस हड़ताल का संगठित श्रम और महिलाओं के आंदोलन के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है।

ऐसा कहा जाता है कि 1888 की मशहूर मैच गर्ल्स हड़ताल ने आधुनिक ब्रिटिश श्रम इतिहास का रूप बदल दिया था। पूर्वी लंदन में माचिस बनाने की फैक्ट्री में करने वाली करीब 1,400 महिलाओं ने यह आंदोलन शुरू किया था। हड़ताल के तीन हफ्तों बाद उनकी लगभग सभी मांगें मान ली गई थीं।

रूस ने कमांडरों को यूक्रेन पर हमले के दिए आदेश !

-सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर अमेरिकी खुफिया तंत्र का दावा

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के बीच लगातार सीमा पर टकराव की स्थिति बनी हुई है। तनाव के बीच अमेरिका के खुफिया तंत्र ने दावा किया है कि रूसी कमांडरों को यूक्रेन पर हमले का आदेश दे दिया गया है। यही नहीं रूसी सेना यूक्रेन सीमा पर युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ने का प्लान तैयार कर रही है। इस बीच सैटलाइट तस्वीरों में दिखा है कि रूसी सेना यूक्रेन सीमा के पास लॉन्चपैड पर हमले के लिए जमा हो रही है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि रूस की सेना राजधानी कीव समेत यूक्रेन के कई शहरों पर एक साथ हमला करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने कहा कि सैन्य कमांडरों को दिए आदेश का मतलब यह नहीं है कि रूसी सेना तत्काल हमला करने जा रही है। अगर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मूड बदलता है तो वह अपने आदेश को बदल सकते हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि वह इस बात से सहमत है कि पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह हमला हो सकता है।

इस बीच यूक्रेन की सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन युद्ध को टालने के लिए अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ किसी भी स्थान और समय में किसी भी प्रारूप में बातचीत करने के लिए तैयार हैं। मास्को द्वारा कथित तौर पर यूक्रेन पर हमला करने की योजना बनाने की आंशका के मद्देनजर रूस और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच ब्लिंकन की यह टिप्पणी सामने आई है।

हालांकि, रूस ने यूक्रेन पर हमले की योजना की बात से लगातार इंकार किया है। ब्लिंकन ने एक मीडिया साक्षात्कार में कहा, 'जैसा कि हमने पहले ही कहा है कि हमले की ओर ले जाने वाली हर चीज होती प्रतीत हो रही है। हम मानते हैं कि राष्ट्रपति पुतिन ने निर्णय ले लिया है, हालांकि, जब तक टैंक वास्तव में आगे नहीं बढ़ते और विमान उड़ान नहीं भरते, तब तक हम हर अवसर का उपयोग करेंगे। हम हर मौके का इस्तेमाल करेंगे और यह देखेंगे कि क्या कूटनीति अभी भी राष्ट्रपति पुतिन को इस कदम को आगे बढ़ाने से रोक सकती है?' उन्होंने कहा, 'अगर युद्ध टाला जा सकता है तो राष्ट्रपति बाइडेन किसी भी समय, किसी भी प्रारूप में राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत को तैयार हैं।' इस बीच रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास का विस्तार किया। वहीं, पूर्वी यूक्रेन में सैनिकों और रूस समर्थित अलगाववादियों के बीच लगातार दो दिन हुई गोलाबारी से हमले की आशंका और बढ़ गई है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने संघर्ष विराम की अपील की है। बेलारूस के रक्षा मंत्री विक्टर ख्रेनिन ने कहा है कि यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव के कारण रूसी सैनिकों के साथ उनके देश का संयुक्त अभ्यास जारी रहेगा। पहले के कार्यक्रम के मुताबिक यह अभ्यास रविवार को खत्म होना था। यूक्रेन की उत्तरी सीमा बेलारूस से लगती है, जहां वाहनों से पहुंचने में तीन घंटे से भी कम का समय लगता है।

रूसी सैनिकों की मौजूदगी से पश्चिमी देशों को आशंका है कि वे यूक्रेन की राजधानी कीव में घुस सकते हैं। कीव की आबादी करीब 30 लाख है। पश्चिमी देशों के नेताओं ने आगाह किया है कि रूस अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला कर सकता है और उसने सीमा के तीनों तरफ लगभग 1,50,000 सैनिकों, युद्धक विमानों और अन्य साजो-सामान की तैनाती कर रखी है। रूस ने शनिवार को पड़ोसी देश बेलारूस में परमाणु हथियारों और पारंपरिक युद्धाभ्यास किया। काला सागर तट के पास भी उसके नौसैनिकों ने अभियान में हिस्सा लिया। अमेरिका और कई यूरोपीय देशों ने आशंका जताई है कि रूस हमला करने के बहाने तलाश रहा है। पश्चिमी देशों ने हमले की स्थिति में तत्काल प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है।

अमेरिकी विरोध के बीच नेपाल सरकार ने संसद में पेश किया एमसीसी प्रस्ताव

-मुद्दे को लेकर हिमालयी देश में राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो गया

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल की सियसत में सब कुछ सामान्य नहीं है यहां सरकार ने विरोध के बीच रविवार को 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की विवादास्पद मिलेनियम कॉर्पोरेशन चैलेंज (एमसीसी) परियोजना से जुड़े समझौते को संसद में मंजूरी के लिए पेश किया। अमेरिका की इस परियोजना को लेकर नेपाल में जोरदार विरोध किया जा रहा है और इस मुद्दे को लेकर हिमालयी देश में राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो गया है। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, सीपीएन-माओवादी सेंटर के चेयरमैन पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के प्रमुख माधव कुमार नेपाल उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने रविवार की सुबह गठबंधन दलों की संयुक्त बैठक में भाग लिया।

यह बैठक देउबा के आधिकारिक आवास बलुआतर में हुई, जिसमें आम सहमति से संसद में समझौते को पेश करने का फैसला लिया गया। हालांकि, जब सूचना, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की ने प्रतिनिधि सभा में समझौते को पेश किया, तो सत्तारूढ़ दल के कुछ सदस्यों समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने इसका तीव्र विरोध किया गया। अधिकारियों ने कहा कि संसद के बाहर कम्युनिस्ट पार्टी के छोटे गुटों और कई वाम समर्थक युवा संगठनों ने रैलियां की और अमेरिका विरोधी नारे लगाए।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। इस बीच कुछ विपक्षी सांसदों द्वारा समझौते के खिलाफ बोलने के बाद अध्यक्ष अग्नि सपकोटा ने सत्र स्थगित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि सदन की अगली बैठक 24 फरवरी को होनी है। नेपाल के राजनीतिक दल एमसीसी समझौते के तहत अमेरिकी अनुदान सहायता को स्वीकार करने को लेकर विभाजित हो गए हैं। यह समझौता प्रतिनिधि सभा में विचाराधीन है। नेपाल के वामपंथी राजनीतिक दल इस समझौते का विरोध करते हुए कह रहे हैं कि यह राष्ट्रीय हित में नहीं है और यह चीन का मुकाबला करने के लिए है। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने शुक्रवार को कहा कि चीन नेपाल को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय सहायता देखकर 'खुश' है, लेकिन यह बिना किसी राजनीतिक बंधन के मिलनी चाहिए। अमेरिकी दूतावास ने शनिवार को एक बयान में कहा कि 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एमसीसी अनुदान अमेरिकी लोगों की ओर से एक उपहार है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी से नेपाल में रोजगार और बुनियादी ढांचे का सृजन होगा जिससे नेपालियों के जीवन में सुधार होगा। उसने यह भी बताया कि इस परियोजना का अनुरोध नेपाली सरकार और नेपाली लोगों द्वारा किया गया था और इसे पारदर्शी रूप से गरीबी को कम करने और नेपाल की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए तैयार किया गया था। नेपाल और अमेरिका ने वर्ष 2017 में एमसीसी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य नेपाल में बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है जिसमें विद्युत पारेषण लाइन और राष्ट्रीय राजमार्गों का सुधार शामिल है।

पाकिस्तान में शासकीय संस्थानों की आलोचना नहीं होगी बर्दास्त -हो सकती है 5 साल की जेल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ वर्तमान सरकार पर सेना के प्रभाव की चर्चा की जाती रहती है वह अब पूरी तरह सच साबित होती दिख रही है। दरअसल, अब सरकारी संस्थाओं के खिलाफ उठने वाली आवाजों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में पाकिस्तान की कैबिनेट ने शनिवार को एक प्रस्ताव पारित किया। इसके तहत अब टीवी चैनलों पर सरकारी संस्थानों की आलोचना करने पर पांच साल तक की सजा हो सकती है। इसमें सेना और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं शामिल हैं। खबरों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने एक अध्यादेश के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक क्राइम्स प्रिवेंशन एक्ट में संशोधन किया है। रविवार को पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए जिसके बाद अब यह कानून बन चुका है। खबरों में सूत्रों के हवाले से कहा कि कैबिनेट ने चुनाव आयोग की आचार संहिता के नियमों में भी बदलावों को मंजूरी दी।

नए कानून के मुताबिक अब सांसदों और मंत्रियों को अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए देशभर में चुनाव प्रचार करने की अनुमति होगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद पाक राष्ट्रपति ने दोनों कानूनों पर हस्ताक्षर कर दिए। इन कानूनों के अस्तित्व में आने के बाद पाकिस्तान में सरकारी संस्थाओं की आलोचना करने पर पांच साल तक की सजा हो सकती है जो पहले तीन साल थी। इस कानून के तहत आने वाले मामलों की निगरानी हाई कोर्ट करेगा और निचली अदालतों को छह महीने के भीतर मामले को समाप्त करना होगा। पाकिस्तान के विपक्षी दलों ने इस अध्यादेशों का विरोध किया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के नेता इरफान सिद्दीकी ने कहा कि सरकार आलोचनाओं को दबाने के साथ अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री और मंत्री चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे और उनकी शक्तियों से चुनावों पर असर पड़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार आलोचना को दबाकर अपनी छवि को सुधारना चाहती है लेकिन इससे उसकी छवि पर और ज्यादा नकारात्मक असर पड़ेगा।

युद्ध के मुहाने पर खड़ा यूक्रेन, संकट टालने आखिरी प्रयास में अमेरिका

-पुतिन से चर्चा को तैयार हुए बाइडेन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी के बीच चल रहे तनाव के बीच युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है। अब इसे रोकने के लिए अमेरिका की ओर से अंतिम प्रयास शुरू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने एक बयान जारी करके कहा है कि अगर रूस हमला नहीं करता है तो बाइडेन सैद्धांतिक रूप से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के लिए तैयार हैं। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के संकेत दिए थे। वाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका कूटनीति के लिए हमेशा तैयार है। उसने यह भी कहा कि अगर रूस हमला करता है तो अमेरिका कड़े प्रतिबंध लगाएगा। वर्तमान समय में रूस लगातार यूक्रेन पर बहुत जल्द हमले की तैयारी कर रहा है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडेन युद्ध को टालने के लिए अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ किसी भी स्थान और समय में किसी भी प्रारूप में बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

रूस की ओर से कथित तौर पर यूक्रेन पर हमला करने की योजना बनाने की आंशका के मद्देनजर रूस और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच ब्लिंकन की यह टिप्पणी सामने आई है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन पर हमले की योजना की बात से लगातार इंकार किया है। ब्लिंकन ने एक मीडिया साक्षात्कार में कहा, 'जैसा कि हमने पहले ही कहा है कि हमले की ओर ले जाने वाली हर चीज होती प्रतीत हो रही है। हम मानते हैं कि राष्ट्रपति पुतिन ने निर्णय ले लिया है, हालांकि, जब तक टैंक वास्तव में आगे नहीं बढ़ते और विमान उड़ान नहीं भरते, तब तक हम हर अवसर का उपयोग करेंगे। हम हर मौके का इस्तेमाल करेंगे और यह देखेंगे कि क्या कूटनीति अभी भी राष्ट्रपति पुतिन को इस कदम को आगे बढ़ाने से रोक सकती है?' ब्लिंकन ने कहा, 'अगर युद्ध टाला जा सकता है तो राष्ट्रपति बाइडन किसी भी समय, किसी भी प्रारूप में राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत को तैयार हैं।' इस बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि रूस की सेना राजधानी कीव समेत यूक्रेन के कई शहरों पर एक साथ हमला करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने कहा कि सैन्य कमांडरों को दिए आदेश का मतलब यह नहीं है कि रूसी सेना तत्काल हमला करने जा रही है। अगर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मूड बदलता है तो वह अपने आदेश को बदल सकते हैं।

इस बीच रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास का विस्तार किया। वहीं, पूर्वी यूक्रेन में सैनिकों और रूस समर्थित अलगाववादियों के बीच लगातार दो दिन हुई गोलाबारी से हमले की आशंका और बढ़ गई है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने संघर्ष विराम की अपील की है। बेलारूस के रक्षा मंत्री विक्टर ख्रेनिन ने कहा है कि यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव के कारण रूसी सैनिकों के साथ उनके देश का संयुक्त अभ्यास जारी रहेगा। पहले के कार्यक्रम के मुताबिक यह अभ्यास रविवार को खत्म होना था। यूक्रेन की उत्तरी सीमा बेलारूस से लगती है, जहां वाहनों से पहुंचने में तीन घंटे से भी कम का समय लगता है।

यूक्रेन को लेकर दो महाशक्तियां अमेरिका-रूस आमने-सामने

-रूस को सबत सिखाने अमेरिकी सेना यूक्रेन के पास कर रही तबाही का अभ्यास

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस की अनबन युद्ध के कगार तक पहुंचने को है ऐसे में दुनिया की दो महाशक्तियां अमेरिका और रूस आमने-सामने हैं। रूस ने जहां यूक्रेन की सीमा पर करीब दो लाख सैनिक तैनात करके जोरदार परमाणु अभ्यास किया है। वहीं अब अमेरिकी सेना ने भी यूक्रेन की सीमा के पास नाटो सदस्य देश पोलैंड में तबाही मचाने का अभ्यास किया है। ये अमेरिकी सैनिक हजारों की तादाद में राष्ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर पोलैंड पहुंचे हैं। अमेरिकी सेना के साथ पोलैंड की सेना भी युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रही है। माना जा रहा है कि रूस और बेलारूस के जोरदार सैन्य अभ्यास के बाद अब अमेरिका और पोलैंड की सेना ने शक्ति प्रदर्शन शुरू किया है। पोलैंड के रक्षा मंत्री मरउस्ज ब्लास्जकजाक ने रविवार के बताया कि पूरे सप्ताह में पोलैंड की सेना ने देश के दक्षिणी पूर्वी हिस्से में अमेरिका के 82वीं एयरबॉर्न डिविजन के साथ मिलकर सै

जलवायु परिवर्तन की विभिन्न चुनौतियों के बावजूद गुजरात ने पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई परिभाषा लिखीः मुख्यमंत्री

- गुजरात जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 'बिल्डिंग अ क्लाइमेट-रीज़िलिएंट' के अंतर्गत बहुविद् कार्यक्रमों का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने 'बिल्डिंग अ क्लाइमेटरेज़िलिएंट गुजरात' के अंतर्गत राज्य के जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जलवायु परिवर्तन की विभिन्न चुनौतियों के बावजूद गुजरात ने पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई परिभाषा लिखी है। पटेल ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2009 में समग्र एशिया में सबसे पहले जलवायु परिवर्तन विभाग की शुरुआत की थी। अपने इस कदम से उन्होंने पूरे विश्व को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति एक नई दिशा दिखाई थी। राज्य सरकार ने इस जलवायु परिवर्तन विभाग के बजट में पिछले 12 वर्षों में निरंतर वृद्धि की है। इस वर्ष सरकार ने इस विभाग के लिए बजट में 910 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। साइंससिटी में शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी, जलवायु परिवर्तन तथा वन मंत्री किरीटसिंह राणा, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, कुबेर डिंडोरऔर देश-विदेश के विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने विभिन्न योजनाओं, सहायताओं, प्रकल्पों तथा श्दळेआदि की भेंट दी।

मुख्यमंत्री ने राज्य की प्रतिष्ठित गुजरात यूनिवर्सिटी में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना करने के लिए जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से 1 करोड़ 50 लाख रुपए के अनुदान के आवंटन की घोषणा भी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के कर कमलों से साइंस म्यूज़ियम, मेडिकल कॉलेज तथा पॉलिटेक्निक भवनों पर सोलर रूफ़टॉप सिस्टम का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने इस समारोह में सब्सिडी योजना के अंतर्गत दिए गए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को हरी झंडी दिखाते हुए बैटरी संचालित दुपहिया वाहनों की सहायता, गौशाला-पांजरापोल को बायोगैस प्लांट स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता तथा सखी मंडल के माध्यम से प्लास्टिक कूड़े के एकत्रीकरण के लिए प्रोत्साहक राशि का वितरण भी किया। इस अवसर पर 12 लाभार्थियों को बैटरी संचालित दोपहिया वाहनों की सहायता का वितरण किया गया। इस योजना के अंतर्गत पिछले पाँच वर्षों में राज्य में कक्षा 9 से 12 तथा कॉलेजों में पढ़ाई करने वाले कुल 25,328 विद्यार्थियों को कुल 21.06 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। गौशाला-पिंजरापोल को बायोगैस प्लांट स्थापना सहायता वितरण के अंतर्गत प्रतीक के रूप में तरभ स्थित श्री वालीनाथ अखाडा गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट और कडी स्थित नंद गौशाला; प्रत्येक को 10,73,082 रुपए की सहायता दी गई। प्लास्टिक कूड़ा एकत्रीकरण के लिए मोरबी स्थित तक्षशिला स्वयंसहायता समूह और सिंघोईस्थित महिला संगठन; प्रत्येक को 2.5 लाख रुपए की प्रोत्साहक सहायता दी गई। समग्र राज्य में अब तक 22.91 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने पाटण स्थित रीजनल साइंस म्यूज़ियम में 100 किलोवॉट, हिम्मतनगर स्थित उईएं मेडिकल कॉलेज में 100 किलोवॉट तथा भावनगर स्थित भावसिंहजी पॉलिटेक्निक इंस्टीटयूट कैम्पस में 180 किलोवॉट के सोलर सिस्टम का वर्चुअल लोकार्पण भी किया। 1.26 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित इस सोलर सिस्टम द्वारा वार्षिक 5 लाख 70 हज़ार यूनिट बिजली की बचत होगी।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ण्ध्ड्ढ-26 में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'पंचामृत लक्ष्य' के अंतर्गत पाँच लक्ष्य घोषित किए हैं। इन लक्ष्यों में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य वर्ष 2070 तक भारत को कार्बन उत्सर्जन मेंनेटज़ीरो बनाना भी है। मुख्यमंत्री ने आगेकहा कि गुजरात इस लक्ष्य को हासिल करने में नेतृत्व करने के लिए सज्ज है। उन्होंने इसका कॉन्सेप्ट देते हुए कहा कि इस पंचामृत लक्ष्य के अंतर्गत वर्ष 2030 तक के लक्ष्य को ध्यान में रख कर गुजरात ने नया स्टेट एक्शनप्लान तैयार किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करने के संकल्प के साथ नई नीतियाँ बनाई हैं। इसमें भी स्वच्छ, शुद्ध तथा ग्रीन-क्लीनएन्वायर्मेन्ट, जल संरक्षण सहित सर्वग्राही विषयों के चिंतन-मनन को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने भावी पीढ़ी को ग्रीन-क्लीनएन्वायर्नमेंट देने का संकल्प लेते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तनकी चुनौतियों के विरुद्ध सक्षम परिणामदायी उपायों से सुसज्ज गुजरात का निर्माण ही हमारा सामूहिक संकल्प तथा हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है। इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ श्दळे भी किए गए। इन संस्थानों में यूनिसेफ़, घ्ण्र्ध्, घ्ध्श्-अहमदाबाद, घ्ध्ऊ-गांधीनगर, श्ए यूनिवर्सिटी-वडोदरा, अहमदाबाद यूनिवर्सिटी, ड्ढ्ञ्ड्ढ्ल, साइंससिटी, तकनीकी शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, नवसारी कृषि यूनिवर्सिटी, सुज़लॉन गुजरात विण्डपार्क लिमिटेड आदि शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने अपने प्रासंगिक संबोधन में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी द्वारा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में उठाए गए क़दमों को परिणामोन्मुखी रूप से आगे बढ़ा रही है। जलवायु परिवर्तन वैश्विक चुनौती है और पूरा विश्व इस चुनौती का सामना कर रहा है। ऋतुओं में बदलाव और उसके कारण प्राकृतिक आपदाएँ आ रही हैं। इनके लिए जलवायु परिवर्तन ज़िम्मेदार है। साथ ही साथ हमें अनेक प्रकार के रोगों का भी सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि इन सभी के विपरीत परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए गुजरात सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

बस पलटने से वडोदरा के यात्री की मौत, अन्य को मामूली चोट

कच्छ (ईएमएस) कच्छ के हाजीपीर की ओर जानेवाले रास्ते पर आज दोपहर वडोदरा से यात्री बस अचानक पलटी खा गई इस हादसे में वडोदरा के एक यात्री की मौत हो गई जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की हैं गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ रणोत्सव के बाद पर्यटकों में यह आकर्षण का केन्द्र बन गया हैं साल के 12 महीने यहां सैलानियों का आवागमन जारी रहता हैं आज वडोदरा से पर्यटकों को लेकर एक बस कच्छ आई थी कच्छ की नखत्राणा तहसील के मेरू-देशपर रोड पर बस अचानक पलटी खा गई यह घटना उस समय हुई जब सैलानियों को लेकर हाजीपीर की ओर जा रही थी बिस पलटने की घटना में वडोदरा के शाहबाजखान पठान नामक एक यात्री की मौत हो गई जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को नखत्राणा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की

गुजरात में कोरोना के 347 नए केस, 8 जिला और 1 महानगर में एक भी नया केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों में लगातार कमी आ रही हैं आज राज्य में 347 के नए मामले सामने आए हैं राज्य के 8 जिले और 1 महानगर पालिका में कोरोना का आज एक भी केस दर्ज नहीं हुआ वहीं 887 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया जबकि 6 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई जिसमें वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2 और अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1 मरीज की कोरोना से मौत हो गई इसी के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10902 हो गई हैं वहीं राज्य में अब तक 1205543 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं फिलहाल राज्य कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 4464 है, जिसमें 40 वेन्टीलेटर पर हैं और 4424 मरीज स्टेबल हैं पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 128 केस दर्ज हुए जबकि 25 जिले और 6 महानगरों में 1 से 36 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए वहीं बोटाद, डांग, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़, महीसागर, नर्मदा, पंचमहल और पोरबंदर समेत 8 जिले और 1 जूनागढ़ महानगर पालिका में कोरोना का एक भी केस आज दर्ज नहीं हुआ सोमवार को राज्यभर में 160799 लोगों का टीकाकरण किए जाने के साथ ही अब तक कुल 102289699 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

देवी माता को बकरे की बलि चढ़ाने के आरोप में तीन शख्स गिरफ्तार

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) जिले के धमरासळा गांव में देवी माता को बकरे की बलि चढ़ाने के आरोप में सायला की धजाला पुलिस ने तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया हैं पुलिस ने घटनास्थल से मृत बकरे का सिर, बाल और चमडा इत्यादि अवशेष जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं 21वीं शताब्दी में अंधश्रद्धा का दूषण खत्म नहीं हुआ सुरेन्द्रनगर जिले में बकरे की बलि चढ़ाए जाने की घटना सामने आने के बाद पशु प्रेमियों में आक्रोश फैल गया हैं दरअसल सोशल मीडिया में बकरे की बलि दिए जाने की घटना का वीडियो वायरल हुआ थी घटना सुरेन्द्रनगर जिले की सायला तहसील के धमरासळा गांव की होने का खुलासा होने के बाद सायला की धजाळा पुलिस ने रेड की हांलाकि पुलिस के पहुंचने से पहले बकरे की बलि चढ़ाई जा चुकी थी पुलिस ने घटनास्थल से बकरे का सिर, बाल और चमड़ा समेत अवशेष बरामद किया साथ ही सोखडा गांव के तीन शख्सों को पशु संरक्षण कानून के तहत के गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की हैं

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी फाइल की

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एफएफएसएल या कंपनी), जो 31 मार्च, 2021 तक के आँकड़ों के आधार पर भारत की सबसे तेजी से बढ़ने वाली गोल्ड लोन एनबीएफसी है, (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँअपना ड्राफ्ट रेडहेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

फेडरल बैंक लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित, एफएफएसएल, कंपनी ट्विन इंजन बिजनेस मॉडल का परिचालन करती है। यह दो पूरक उत्पादों के साथ परिचालन करती है जिनके नाम हैं - गोल्ड लोन और इंस्टालमेंट लोन, जो एमएसएमई और उभरते स्वरोजगारी व्यक्तियों (ईएसईआई) को प्रदान किये जाते हैं।

कंपनीनएनिर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अपनी कंपनी के टियर-I पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करने का प्रस्ताव करती है, ताकि भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, जो व्यवसाय और परिसंपत्तियों की वृद्धि से उत्पन्न होती है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं।

अहमदाबाद रेल मंडल ने चालू वित्त वर्ष में 34 मिलियन टन माल का लदान कर उल्लेखनीय उपलब्धि की हासिल

अहमदाबाद मंडल ने दिनांक 20 फरवरी 2022 तक चालू वित्त वर्ष में अब तक 326 दिनों में 34 मिलियन टन माल का लदान कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

अधिक जानकारी देते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन ने बताया कि 'हंगरी फॉर कार्गो' की आदर्श संकल्पना के समुचित क्रियान्वयन के क्रम में अहमदाबाद मण्डल द्वारा शुरू किए गए अभिनव प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

इस वर्ष प्रमुख माल ढुलाई वस्तुओं में कंटेनर, उर्वरक, कोयला, पेट्रोलियम उत्पाद, सीमेंट, नमक, सामान्य सामान, स्टील पाइप, ऑटोमोबाइल आदि शामिल हैं। जिन वस्तुओं में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई है। जैसे कंटेनर (±25%), पेट्रोलियम उत्पाद (+32%), आयरन/स्टील (+200ऊ), नमक (+57ऊ), ऑटोमोबाइल (30ऊ) लदान की मौजूदा प्रवृत्ति को देखते हुए, चालू वित्त वर्ष में मंडल लगभग 38 मिलियन टन लोडिंग का टारगेट रखा है। यह मंडल का उच्चतम वार्षिक लोडिंग होगा। मंडल द्वारा वैगन प्रतिदिन की दृष्टि से औसतन 2344.31 वैगन लदान किया जा रहा है जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.57% अधिक है।

बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (BDU) अहमदाबाद के तहत माल लदान के लिए विभिन्न स्कीम लागू की गई है जिसमें उपभोक्ताओं को माल लदान में विभिन्न रियायते दी गई है जिसके फलस्वरूप मंडल के माल लदान में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

साथ ही इस वित्तीय वर्ष में दिनांक 19 फरवरी 2022 तक 4400 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है जो अपने गत वित्तीय वर्ष में 19 फरवरी 2021 तक 4167 करोड रुपए के राजस्व से लगभग 233 करोड़ रु .से अधिक है। इस वर्ष राजस्व वृद्धि दर 5.77% है।

मुख्यमंत्री का ऑनलाइन जन शिकायत निवारण संबंधी राज्यस्तर का 'स्वागत' कार्यक्रम 24 फरवरी को होगा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार, 24 फरवरी को गांधीनगर में राज्यस्तर के 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में प्रार्थियों से रूबरू होकर उनकी शिकायतों एवं समस्याओं को सुनेंगे तथा उसके उचित समाधान के लिए जरूरी कार्यवाही करेंगे। उल्लेखनीय है कि नागरिकों की शिकायतों और मुद्दों का तकनीक के माध्यम से संवाद व मार्गदर्शन के मार्फत निवारण का यह स्वागत 'स्टेट वाइड अटेंशन ऑन पब्लिक ग्रिवेंसिस बाई एप्लीकेशन टेक्नोलॉजी' कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान 2003 से शुरू कराया है। इतना ही नहीं, इस स्वागत कार्यक्रम को सुशासन तथा जनता की समस्याओं के सुचारू निवारण की श्रेष्ठता के संबंध में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के पब्लिक सर्विस अवॉर्ड सहित कई अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इस 'स्वागत' कार्यक्रम के अंतर्गत हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित होने वाले 'राज्य स्वागत' में मुख्यमंत्री नागरिकों की शिकायतें सुनते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार दोपहर 3 बजे स्वर्णिम संकुल-2 के भूतल पर अद्यतन टेक्नोलॉजी से सुसज्जित विशाल बैठक क्षमता के साथ नवनिर्मित स्वागत कक्ष में आयोजित 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम के बाद जिला स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागी बने जिला अधिकारियों का मार्गदर्शन भी करेंगे। वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के कारण स्थगित रहा यह 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम लंबे अंतराल के बाद अब आगामी गुरुवार, 24 फरवरी को फिर से आयोजित होने जा रहा है।

राज्य के तीन हाइवे बेचकर २० हजार करोड़ जमा किया जाएगा

गांधीनगर, २१ फरवरी।

पैसे जमा करने के लिए सरकार की कई हाइवे बेचने की योजना है। इसमें गुजरात के तीन हाइवे स्ट्रेच को भी शामिल किया जाए ऐसी संभावना है। १५ वर्ष के कंसेसन पीरियड के बाद यह हाइवे को नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को वापस सौंपा गया। सूत्रों के बताये अनुसार गुजरात में स्थित यह तीन हाइवे प्रॉजेक्ट की कुल लंबाई ३७७ किमी है। इसकी बिक्री द्वारा सरकार १८ हजार करोड़ रुपये से २० हजार करोड़ रुपये जमा कर सकती है। यह तीनों हाइवे सिक्स लेन के है। इसमें वडोदरा-भरूच हाइवे, भरूच-सूरत और सूरत-दहीसर हाइवे ब्लोक शामिल है। यह हाइवे पर से हाल में कुल मिलाकर १७०० करोड़ रुपये का टोल वसूला जाता है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) सफल बिडर्स से अपफ्रंट राशि (पैसे) लेने के लिए प्रॉजेक्ट को २० वर्ष के लिए मोनेटाइज कर रही है। एनएचएआई द्वारा बीओटी-टोल (बिल्ड, ऑपरेट एंड ट्रांसफर) मॉडल पर यह हाइवे विकसित किया गया है। इसे पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (पीपीपी) बेज पर विकसित किया गया है। इसमें से पहले स्ट्रेच लार्सन एंड टुब्रो (एल एंडटी) को दिया गया है और उसने ४७५ करोड़ की अपफ्रंट वन टाइम चुका दिया है। अन्य दो प्रॉजेक्ट आईआरबी को मिला है। इसमें से एक पेमेंट बेज पर है और दूसरा रेवन्यु शेरिंग मॉडल पर है। अधिकारी ने बताया है कि हमने प्रॉजेक्ट को वापस लेने की प्रक्रिया परस्पर मंजूरी से पूरी की है जिसमें कोई क्लेम या काउंटर क्लेम नहीं है। यह मामले की सफलता का उदाहरण है कि किस तरीके से बीओटी-टीओएलएल प्रॉजेक्ट को मैनेज किया जा सके और सरकारी एजेंसियां तथा प्राइवेट प्लेयर्स के हित को बरकरार रखा जा सके। यह पूरी तरह से ओपरेशनल प्रॉजेक्ट है और इसमें वर्षों से टोलिंग स्थिर हुआ है।

फोटो और जानकारी देना कि नहीं यह लोगों की इच्छा

वाहन चालकों के फोटो खींचने को लेकर प्राइवसी का विवाद

अहमदाबाद, २१ फरवरी।

गोपनीयता का अधिकार या फिर राइट टू प्राइवसी हमारे संविधान में दिए मूलभूत अधिकारों में से एक है। अब यह गोपनीयता के अधिकार की वकालत करते लोगों को इस तरीके से आजकल अहमदाबाद शहर के रोड पर जहां ट्रैफिक जंक्शन या फिर चार रास्ते है वहां पुलिस कर्मचारियों द्वारा क्राइम डेटाबेज तैयार करने के लिए रेंडमली वाहन चालकों के फोटो क्लीक करने का और उनकी मूलभूत जानकारी जुटाना शुरू किया गया है। इतना ही नहीं पुलिस यह जानकारी लेते समय वाहन चालकों को यह भी जानकारी नहीं दे रही है कि आखिर में वह यह डेटा के साथ क्या करने की योजना है। पिछले दो महीने से शहर के विभिन्न क्षेत्र में यह प्रक्रिया चल रही है।

यह मामले में जांच करने पर शहर पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि उन्होंने अपराध और अपराधियों को ढूंढने में मदद करने के लिए एक व्यापक डेटाबेज तैयार करने की सूचना दी गई है। रिवरफ्रंट की पश्चिम बगल में सुबह और शाम के समय दौरान पुलिसकर्मचारी वाहन चालकों के फोटो क्लीक करते है और उनकी मूलभूत जानकारी जैसे कि पता और सेलफोन नंबर ऑनलाइन एप्लीकेशन में नोट करते है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया है कि हमें शहर पुलिस कमिश्नर तरफ से सूचना मिली है कि वाहनों और इसके मालिकों के संबंधित जानकारियां तारकश एप में संग्रहित करनी चाहिए जिसकी वजह से वाहन चोरी के मामले में या किसी भी अपराध में वाहन मालिक शामिल रहा हो ऐसे मामले में हम जल्दी से कार्रवाई कर सकते है। यहां उल्लेखनीय है कि वाहन मालिकों से संबंधित जानकारियां प्रादेशिक परिवहन कार्यालय में दर्ज हुई है और यह पुलिस द्वारा आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। तब ऐसी जानकारी लोगों से अलग तरीके से इकट्ठा क्यों करनी चाहिए। तारकश एप गत वर्ष दिसंबर में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और शहर पुलिस कमिश्नर संजय श्रीवास्तव ने लॉन्च की थी।

आर्कियन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

इश्यू - आर्कियन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आर्कियन या कंपनी''), जो भारत की एक स्पेशियाल्टी मरीन केमिकल मैन्युफैक्चरर है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड(सेबीठ) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है। आईपीओ में कुल 10,000 मिलियन रु. के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (फ्रेशइश्यू'') और इंडिया रिसर्जेंस फंड (पिरामल ग्रुप और बैन कैपिटल का संयुक्त उद्यम) सहित प्रवर्तकों और निवेशकों द्वारा 19.07 मिलियन शेयरों का ऑफरफॉर सेल (ऑफरफॉरसेल) शामिल है।

आर्कियन केमिकल इंडस्ट्रीज भारत की अग्रणी स्पेशियाल्टी मरीन केमिकल्स निर्माता है, और दुनियाभर के ग्राहकोंकोब्रोमीन, औद्योगिक नमक और पोटाश के सल्फेट के उत्पादन और निर्यात पर केंद्रित है।

उत्पाद पोर्टफोलियो और उपयोगः आर्कियन द्वारा उत्पादित ब्रोमीन का उपयोगप्रमुखप्रारंभिकस्तरकीसामग्रीकेरूपमेंकियाजाताहै, जिसमेंफार्मा, एग्रोकेमिकल्स, जलउपचार, लौरिटार्डेट, एडिटिव्स, तेल और गैस और ऊर्जा भंडारण क्षेत्रोंमें अनुप्रयोग शामिल हैं। औद्योगिक नमक एक महत्वपूर्ण कच्चामाल है जिसका उपयोग रासायनिक उद्योग मेंविभिन्न अन्य रसायनों और यौगिकोंके उत्पादन के लिए किया जाताहै। पोटाशके सल्फेट का उपयोग उर्वरक के रूपमें किया जाता है और इसका चिकित्सीय उपयोग भी होता है।

केयर्न, वेदांता ने ईएसजी की यात्रा शुरू की, साल 2050 के आते-आते शून्यन कार्बन का लक्ष्यत रखा

नई दिल्लीई, 21 फरवरी 2022 : केयर्न ऑइल एंड गैस, वेदांता लिमिटेड तेल एवं गैस के क्षेत्र में ईएसजी (पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कॉर्पोरेट अभिशासन) का नेतृत्वल कर रहा है और उसने साल 2050 के आते-आते शून्य कार्बन का लक्ष्यर हासिल करने का संकल्प लिया है। कंपनी अपने उत्पा2दन को दोगुना करने के लिये अगले 3-4 वर्षों में 4 बिलियन निवेश करने के लिये प्रतिबद्ध है और ईएसजी के लिये नवघोषित रूपरेखा से कंपनी स्थाूयी आधार पर इस सपने को पूरा करने में समर्थ होगी।

इस घोषणा पर वेदांता के फाउंडर और चेयरमैन, श्री अनिल अग्रवाल ने कहा कि, ''वेदांता समूह उन संवहनीय पद्धतियों में आगे रहा है, जो सकारात्माक आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ नेट-ज़ीरो के लिये प्रधानमंत्री के लक्ष्यय हासिल करने के अनुसार हैं। आज हमारा तेल एवं गैस व्यमवसाय भारत की ऊर्जा से जुड़ी जरूरतों और वृद्धि की आकांक्षाओं को पूरा करने की स्थिति में है। 'शून्यक हानि, शून्यड अपशिष्टे, शून्यर विसर्जन' के दर्शन पर हमने अपने परिचालन के लिये ईएसजी के मजबूत लक्ष्य् बनाये हैं, जो ज्यूादा क्षमतावान बनने में भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सहायता करेंगे और आत्मेनिर्भरता की दिशा में देश के अभियान में सहायक होंगे।''

हार्दिक पटेल का 23 मार्च तक पाटीदारों के खिलाफ दर्ज मुकद्दमे वापस लेने का अल्टीमेटम

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने पाटीदार आंदोलन के दौरान दर्ज पाटीदार युवकों के खिलाफ दर्ज सभी मुकद्दमे वापस लेने का राज्य सरकार को अल्टीमेटम दिया हैं अगर 23 मार्च तक पाटीदारों के खिलाफ मुकद्दमे वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन करने की चेतावनी दी हैं राज्य सरकार से अनुरोध भी है और उसे चेतावनी भी हैं गौरतलब है कि वर्ष 2015 में हुए पाटीदार आंदोलन के दौरान राज्य में करीब 400 जितने मामले दर्ज किए गए थे जिसमें करीब 140 जितने मुकद्दमे राज्य सरकार ने वापस ले लिए थे अब भी करीब 200 मुकद्दमे चल रहे हैं इन मुकद्दमों को वापस लेने की बार बार पेशकश की गई है, इसके बावजूद सरकार की ओर से इस दिशा में कई कदम नहीं उठाया गया जिसे लेकर हार्दिक पटेल ने आज पत्रकार परिषद में गुजरात की भाजपा सरकार को 23 मार्च तक अल्टीमेटम दिया हैं हार्दिक पटेल ने कहा कि आंदोलन के दौरान के मेरे खिलाफ 32 मुकद्दमे हैं, जिसे सरकार वापस नहीं लेना चाहती तो कोई बात नहीं परंतु अन्य पाटीदार युवकों के खिलाफ चल रहे मुकद्दमों को वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि इन मुकद्दमों की वजह से युवकों का काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हैं हार्दिक ने कहा कि पाटीदार आंदोलन से अन्य वर्गों के युवकों को फायदा हुआ हैं पाटीदार युवकों के खिलाफ मुकद्दमे वापस ले इसके लिए भाजपा विधायकों को गुलाब का फूल देकर पेशकश जाएगी और उन्हें आंदोलन से जुड़ने की अपील की जाएगी 6 मार्च को आंदोलन में मारे गए युवकों के परिवारों को साथ में रखकर इस मुद्दे पर संवाद भी करेंगे हार्दिक पटेल ने कहा कि युवाओं को न्याय दिलाने के लिए अगर कांग्रेस से इस्तीफा भी देना पड़ा तो वह इस्तीफा दे देंगे और युवाओं के लिए आंदोलन करेंगे समाज के अग्रणियों से भी सरकार से पेशकश करने की अपील की हैं उन्होंने कहा कि जमनादास समाज के प्रमुख हैं और उन्हें भी सरकार से पाटीदारों के खिलाफ मुकद्दमे वापस लेने की मांग करनी चाहिए यदि सरकार उनकी मांग को अनुसूना कर देती है तो जमनादास पटेल को इस्तीफा दे देना चाहिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व जयराजसिंह परमार के मुद्दे पर हार्दिक पटेल ने कहा कि वह अपने निजी स्वार्थ के लिए भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं कांग्रेस ने जयराज को बहुत कुछ दिया है, परंतु विपक्ष में रहते हुए सभी इच्छाएं पूर्ण करना संभव नहीं होता जयराजसिंह परमार जब कांग्रेस में थे, तब भाजपा के खिलाफ बोलते थे और अब उसका ही दामन थामने जा रहे हैं अब जयराजसिंह से कहेंगे कि वह सरकार के समक्ष रोजगार, शिक्षा इत्यादि मुद्दों पर बात करें हार्दिक पटेल ने यह भी कहा कि कभी भी सत्ता की गोद में नहीं बैठना चाहिए, ऐसा करने से तानाशाही और अपराधियों को मजबूती मिलती हैं

कांग्रेस के पूर्व विधायक समेत 200 कार्यकर्ता भाजपा शामिल, आज जयराजसिंह जॉइन करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में इस वर्ष के आखिर में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला शुरू हो गया हैं कुछ समय पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के कई लोगों ने भाजपा जॉइन की थी आज कांग्रेस के पूर्व विधायक हीराभाई पटेल समेत 200 कार्यकर्ताओं ने भाजपा का भगवा धारण कर लिया हीराभाई पटेल के साथ ही कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता भरत देसाई ने भी आज भाजपा जॉइन कर ली पटेल समाज की चुनावों में निर्णायक भूमिका होती है, ऐसे में 52 पाटीदार समाज के प्रमुख बाबूभाई पटेल के साथ महीसागर पाटीदार सेवा ट्रस्ट प्रमुख महेश पटेल भी भाजपा में शामिल हो गए 52 पाटीदार समाज के अग्रणी गिरीश पटेल समेत समाज के पूर्व पदाधिकारियों ने भी भाजपा का भगवा धारण किया हैं इसके अलावा सामाजिक अग्रणी और लूणावाडा स्कूल संचालकों ने भी भाजपा जॉइन कर ली बिता दें कि मंगलवार को गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार भी भाजपा का भगवा धारण कर लेंगे पिछले सप्ताह ही जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद मंगलवार को भाजपा में शामिल होने की जानकारी दी थी

शहर में तीन दिन में तापमान ३५ डिग्री पर आने का पूर्वानुमान

अहमदाबाद, २१ फरवरी।

शहर में दिन के दौरान गर्मी और देर रात को ठंड का कहर देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही हाल डबल सीजन चल रही है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि, अभी कुछ दिनों तक डबल सीजन रहेगा।

इसके साथ ही अहमदाबाद में आगामी ३ दिन के दौरान औसत न्यूनतम तापमान १५ डिग्री के करीब रहेगा। जबकि अधिकतम तापमान ३५ डिग्री को पार हो सकता है। हालांकि, फिलहाल लेकिन दोपहर के समय में रास्ते पर निकलने का हो ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ा रहना पड़े तो गर्मी का तुरंत अनुभव होता है। देर रात को अहमदाबाद में ठंड का एहसास होता है। जिसकी वजह से यह डबल सीजन अभी भी कुछ दिनों के लिए जारी रहेगा यह मौसम विभाग का मानना है। महत्वपूर्ण है कि, गत रात को नलिया में सबसे कम ११ डिग्री तापमान दर्ज किया गया। जबकि कंडला में सबसे ज्यादा ३५.५ डिग्री तापमान दर्ज किया गया। अहमदाबाद में गत रात को १३.५ डिग्री तापमान के साथ औसत न्यूनतम तापमान में सामान्य की अपेक्षा २ डिग्री की कमी दर्ज की गई। इसके साथ ही दिन के दौरान औसत अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री घट गया है। अब मौसम विभाग का मानना है कि, अहमदाबाद में आगामी तीन दिन तक न्यूनतम तापमान १५ डिग्री के करीब होने की संभावना है। जबकि अधिकतम तापमान आगामी तीन दिन में ३५ डिग्री को पार जा सकता है। यानी कि आगामी दिनों में गर्मी में वृद्धि होने की संभावना है।

ऑफलाइन शिक्षा शुरू हुई

धंधा चलने से राज्य के ८० हजार स्कूलवैन चालकों को राहत

अहमदाबाद में ८५०० स्कूल वैन चालकों और ६५०० स्कूल रिक्शा चालकों को मिलाकर कुल १५ हजार स्कूल वैन चालक हैं

अहमदाबाद, २१ फरवरी।

राज्य में कोरोना के केस में लगातार कमी होने पर आज से ऑफलाइन एज्यूकेशन अनिवार्य होने से सबसे ज्यादा खुशी का माहौल स्कूल वैन चालकों में देखने को मिला है।

कोरोना की वज